



पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर छत्तीसगढ़ भारत
Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur Chhattisgarh, India
Estd-1964 – recognized by UGC U/s 2(f) and 12 (B)
NAAC “A” Grade

CRITERION-III

EVIDENCE(S), AS PER SOP

METRIC No. 3.6.1	Extension activities in the neighborhood community in terms of impact and sensitizing students to social issues and holistic development during the year
<ul style="list-style-type: none">• Extension activities by NSS• Extension activities by POC• Programs by counseling center for society	

UTD NSS

PANDIT RAVISHANKAR SHUKLA

UNIVERSITY RAIPUR, (C.G.)

MONTHLY ACTIVITIES

SESSION 2022-2023

01/05/2022 नियमित गतिविधि

गर्मी के दिनों में पक्षियों को दाना पानी व्यवस्था करने में कठिनाई जाती है , इसके लिए आज विश्वविद्यालय परिसर में मिट्टी के बर्तन की व्यवस्था की गई।



प्रतिदिन विश्वविद्यालय परिसर में स्वयंसेवकों के द्वारा नियमित योग अभ्यास



आज दिनांक 01 मई 2022 पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के 59 वॉ स्थापना दिवस के पावन अवसर पर, utd nss के दो स्वयंसेवक फलेंद्र जी और टकेश्वर जी को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए उच्च शिक्षा मंत्री श्री उमेश पटेल जी (छत्तीसगढ़ शासन) एवं कुलपति महोदय जी Pt.RSU के द्वारा सम्मानित होने का अवसर प्राप्त हुआ।



आज दिनांक 8 मई 2022 को नियमित गतिविधि के अंतर्गत यूटीडी एनएसएस के स्वयंसेवकों के द्वारा योगासन कराने के पश्चात सेंटर फॉर बेसिक साइंस के बगल में लगे हुए अशोक के पौधों में पानी डाला गया। विधि विभाग के विशेषज्ञ डॉ आलोक साहू सर जी ने प्रतियोगिता परीक्षा के बारे में स्वयंसेवकों से विस्तृत चर्चा किया एवं वरिष्ठ स्वयंसेवक संजय कुमार एवं अभिषेक वर्मा के द्वारा फर्स्ट एड कीट डोनेट किया गया। आज के कार्यक्रम में जिला संगठक रायपुर डॉ एल एस गजपाल, कार्यक्रम अधिकारी डॉ कमलेश शुक्ला एवं समस्त स्वयंसेवक उपस्थित रहे।



03/06/2022 विश्व सायकिल दिवस की हार्दिक **बधाई** एवं शुभकामनाएं।

अच्छी सेहत, स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त वातावरण के लिए बेहतरीन विकल्प साईकिल ही है।
सायकिल चलाएं, पर्यावरण बचाएं, शरीर को स्वस्थ बनाएं।



05/06/2022 विश्व पर्यावरण दिवस' की **बधाई** एवं शुभकामनाएं!
'विश्व पर्यावरण दिवस' के अवसर पर स्वयंसेवकों के द्वारा #नीम_का_पौधा रोपण किया गया, पूर्व में लगाए पौधों का #संरक्षण एवं #संवर्धन करते हुए पानी डाला गया, पक्षियों के लिए रखे #सकोरा में पानी डालने की पश्चात, #तख्ती (पोस्टर) तैयार कर नारा लगाते हुए #प्रकृति के अनुरूप #जीवनशैली अपनाने के लिए वीडियो के माध्यम से संदेश प्रेषित दिया गया।



12/06/2022 नियमित गतिविधि 🌳🌳🌳🌳

विश्वविद्यालय परिसर के अंतर्गत माता बंजारी मंदिर के पंडित जी के द्वारा माता में फूल अर्पण करने के लिए आस - पास से फूलों की व्यवस्था नहीं हो पाती हैं, का सूचना मिला था, आज इस विषय पर चर्चा पश्चात्, स्वयंसेवकों के द्वारा "एनएसएस फुलवारी" निर्माण के लिए जगह चिन्हित कर कार्य आरंभ किया गया।



14/06/2022 विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर स्वयंसेवक अभिषेक जी ने रक्तदान किया।



19/06/2023 नियमित_गतिविधि 🌱🌳🌲🌿

विश्वविद्यालय परिसर के अंतर्गत माता बंजारी मंदिर परिसर के पास तैयार किए जा रहे 'एनएसएस_फूलवारी' के लिए गोबर_खाद व्यवस्था कर, पौधा लगाने से पहले गड्डों में खाद डाल कर पौधा लगाया गया, तत्पश्चात #फूलवारी की #सुरक्षा के लिए आस - पास से सूखे बास की व्यवस्था कर घेराव किया गया।





21/06/2022 आप सभी को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।
योग हमारे शरीर को निरोगी बनाकर आध्यात्मिक चेतना को जागृत करने का साधक है,
योग भारत द्वारा विश्व को प्रदान किया गया वह अमूल्य उपहार है जो शरीर और मन
दोनों को स्वस्थ रखता है।



26/06/2022 अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर मादक पदार्थों के सेवन के खिलाफ लोगों को जागरूक करने तथा नशा मुक्त समाज बनाने का प्रण लेने के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया गया। नशे के सेवन से शारीरिक एवं मानसिक रूप से नकारात्मक प्रभाव पड़ता है का संदेश दिए। तत्पश्चात नियमित गतिविधि एनएसएस_फूलवारी में पौधा रोपण किया गया।



01/07/2022 मेकाहारा रायपुर में भर्ती मरीज को आज हमारे स्वयंसेवक रक्तवीरंगना दीपशिखा डोलस व रश्मिता भोई ने प्रथम बार एवं रक्तवीर वेदप्रकाश वर्मा (पूर्व छात्र) ने पांचवी बार अपने अमूल्य रक्त जरूरतमंद को देकर नेक कार्य किया है



03/07/2022 नियमित गतिविधि

विश्वविद्यालय परिसर के अंतर्गत माता बंजारी मंदिर परिसर में तैयार किया जा रहा 'एनएसएस फुलवारी' में कार्य का आज अन्तिम दिवस रहा, जिसमें स्वयंसेवकों के द्वारा फुलवारी के चारों तरफ जहा बास का घेराव किया गया था, उसमें पशु प्रवेश न कर सके उसके लिए बास की कटिली झाड़ियों को डाला गया, और व्यक्तियों के आने - जाने के लिए बास के दरवाज़ा निर्माण कर कार्य समाप्त किया गया।



10/07/2022 नियमित_गतिविधि

आज विश्वविद्यालय परिसर में पूर्व में लगाए पौधों का संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य किया गया।



26/07/2022 नियमित गतिविधि
आज विश्वविद्यालय परिसर में पूर्व में लगाए पौधों का संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य किया गया।



28/07/2022 [हरेली](#)



06/08/2022 पंडित रविशंकर शुक्ल विश्विद्यालय अध्ययन शाला इकाई के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के कार्यक्रम की सुरुआत माननीय कुलपति महोदय प्रोफेसर केशरी लाल वर्मा के द्वारा झंडा दिखाकर प्रारंभ किया गया, कला भवन से तिरंगा यात्रा लाइब्रेरी साइंस, बेसिक साइंस होते हुए भूविज्ञान, विधि विभाग, गणित अध्ययन शाला, फार्मसी अध्ययन शाला से जैविकी अध्ययन शाला, व प्रशासनिक भवन होते हुए पंडित रविशंकर शुक्ल मूर्ति के सामने सभी एकत्रित होकर यात्रा पूर्ण किये। तिरंगा यात्रा अभियान में विश्विद्यालय के प्राध्यापकगण प्रोफेसर सुपर्ण सेन गुप्ता, प्रोफेसर निनाद बोधनकर, प्रोफेसर रवींद्र ब्रम्हे, प्रोफेसर बलवंत ठाकुर, प्रोफेसर प्रीति के सुरेश, डॉ दीपेंद्र सिंह, डॉ, रौतिया, डॉ चौरे, डॉ गोविंद साहू, डॉ संतुराम कश्यप, डॉ हरीश साहू डॉ राजेन्द्र जांगड़े और रसायन अध्ययन शाला के डॉ इन्द्रपाल शामिल होकर छात्रों का मनोबल व उत्साहवर्धन किया गया। माननीय कुलपति महोदय जी ने अपने उद्बोधन में झंडे का महत्व, देश प्रेम और युवाओं का देश के प्रति जिम्मेदारी से अवगत कराया। कार्यक्रम में उपस्थित राष्ट्रीय सेवा योजना के 100 से अधिक स्वयंसेवक, विभिन्न यू टी डी अध्ययन शाला के छात्र, शिक्षक रासेयो के जिला संघटक डॉ गजपाल और विश्विद्यालय इकाई के प्रभारी डॉ कमलेश शुक्ला आदि सम्मिलित रहे। 🇮🇳

कुछ नशा तिरंगे की आन का हैं कुछ नशा
मातृभूमि की शान का हैं हम लहरायेंगे हर जगह
तिरंगा, नशा ये हिंदुस्तान की शान का हैं।



14/08/2022 राष्ट्रीय सेवा योजना पं. रविशंकर शुक्ल अध्ययन शाला इकाई ने आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर आजादी के अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा यात्रा में जागरूकता लाने के लिए जन जागरण अभियान का आयोजन कर पूरे परिसर में जागरण अभियान चलाया गया!!
 इस अवसर पर *माननीय कुलपति महोदय जी ने अभियान का शुभारंभ किया साथ ही रैली में शामिल होकर छात्रों का मनोबल बढ़ाया, कुलपति महोदय जी ने रैली का नेतृत्व करते हुए तिरंगा यात्रा,राष्ट्रीय नारों के साथ कर्मचारी कॉलोनी,शिक्षक कॉलोनी, छात्रावास होते हुए पंडित रविशंकर शुक्ल मूर्ति पर जाकर संपन्न हुई।यात्रा में, छात्रों में राष्ट्र के प्रति सम्मान और एकता की भावना की झलक देखने को मिली !!*
 तिरंगा यात्रा में डॉ सोनेकर,डॉ मनमोहन, डॉ राजेन्द्र ,डॉ इन्द्रपाल विश्विद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला संगठक/समन्वयक डॉ एल एस गजपाल विश्विद्यालय अध्ययन शाला इकाई के कार्यक्रम प्रभारी डॉ कमलेश शुक्ल ,स्वयंसेवकों के साथ छात्रावास के लगभग 150 छात्र छात्राएं शामिल हुए ।



15/08/2022देशवासियों को [#स्वतंत्रतादिवस](#) की हार्दिक शुभकामनाएं!

जय हिंद!



22-24 August 2022

आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में नशे के दुष्प्रभाव एवं बचाव के उपाय के लिए जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम पंडित रविशंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित किया गया जिसमें एनएसएस की स्वयंसेवकों की भूमिका सराहनीय रही ।



10/09/2022 नियमित_गतिविधि



17/09/2022

[UTD_NSS](#) के द्वारा [#विश्वविद्यालय_परिसर](#) में [#रक्तदान_शिविर](#) का आयोजन, #95 लोगो ने रक्तदान कर कार्यक्रम को बनाया सफल। 🩸🩸

पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय अध्ययनशाला इकाई राष्ट्रीय सेवा योजना एवं तेरापंथ युवा परिषद के द्वारा पं.रविवि के कला भवन हॉल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, शिविर में 95 लोगो ने रक्तदान किया , जिसमें लगभग 62 लोगो ने प्रथम बार रक्तदान किया।

इस कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो. केशरी लाल वर्मा जी ने किया। विशिष्ट अतिथि कुलसचिव डॉ. शैलेंद्र पटेल जी ने किया। इस कार्यक्रम में श्री संजय शर्मा कमिश्नर ट्रैफिक पुलिस, श्री सतीश ठाकुर डीएसपी, एसो. प्रोफेसर गहरे, डॉ. सोनेकर, डॉ अंबर व्यास जी उपस्थित रहे।

उक्त कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला संगठक डॉ. एल एस गजपाल, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कमलेश शुक्ला के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से वरिष्ठ स्वयंसेवक छत्रपाल साहू, दीपक साहू, फलेंद्र, सुमित, टकेश्वर, संजय, विकास, अभिषेक एवं स्वंसेवक दीपशिखा, पल्लवी, लक्ष्मीकांत, तेज, योगेंद्र, दीक्षा, अंकिता, वंदना, वर्षा, अमर व अन्य स्वयंसेवकों की सहभागिता से सम्पन्न हुआ।





रासेयो विश्वविद्यालय अध्ययनशाला में रक्तदान शिविर

रायपुर (प्रखर)। राष्ट्रीय सेवा योजना विश्वविद्यालय अध्ययन शाला इकाई पंक्ति रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर द्वारा कला भवन के सैमीनार हॉल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 95 लोगों ने रक्तदान किया। 62 लोगों ने प्रथम बार रक्तदान किया। यह कार्यक्रम शेरार्थ शुक्ल परिषद एवं वैजकीय के सहयोग से सफल संचालित हुआ। शुभारंभ कुलपति प्रो. केशरी लाल शर्मा ने किया। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. सीतेश पटेल, संजय शर्मा एसीजी ट्रेफिक पुलिस, सतीश साहू जीएसपी ट्रेफिक रायपुर, प्रो. अशोक कान्त साहू विभाग अध्यक्ष कायोटेक्नोलॉजी, प्रो. राजीव चौधरी, डॉ. महेश, डॉ. सीमिकर, डॉ. अशोक शर्मा उपस्थित रहे। कुलपति ने सभी लोगों को रक्तदान करने के लिए आग्रह



किया एवं राष्ट्रीय सेवा योजना परिषद को भव्य आयोजन के लिए धन्यार्थी भी। राष्ट्रीय सेवा योजना के निता सैगटक डॉ. एल एस राजपाल एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कमलेश शुक्ला के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में विशेष रूप से वरिष्ठ स्वयंसेवक इंद्रपाल

साहू, टंकेश्वर साहू, पीपक साहू, फलीश, सुमित, संजय, विकास, अभिषेक एवं स्वयंसेविका जीपशिखा, पार्वती, लक्ष्मीकांत, तेज, सीमा, दीक्षा, अंकिता, यदना, वर्षा, अमर एवं 50 से भी अधिक स्वयंसेवकों की सहभागिता रही।

16/09/2022 नियमित गतिविधि



16/11/2022 पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में यूटीडी एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा यूथ फेस्टिवल 2022 में की नाटक #अस्तित्व का मंचन |



17 /11/2022

पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में यूटीडी एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा यूथ फेस्टिवल 2022 में ग्रुप सॉना की प्रस्तुति दिया गया



20 नवंबर 2022

पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों द्वारा नियमित गतिविधि के अंतर्गत योगा ,साफ-सफाई एवं देसी खेल रूमाल झपट्टा खेला गया ।





दिनांक 27 नवंबर 2022 को विश्वविद्यालय अध्ययन शाला इकाई पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में शारीरिक व्यायाम के पश्चात छोटे-छोटे पौधों का संरक्षण एवं संवर्धन करते हुए पानी डाला गया । तत्पश्चात सामुदायिक जागरूकता एवं जनसंपर्क के लिए नुक्कड़ नाटक की तैयारी की गई। साथ ही सभी सेवक स्वयंसेवकों के व्यक्तिगत रुचियों के बारे में जानकारी प्राप्त की गई ।





नियमित गतिविधि 01/12/2022 जागरूकता ही है समाधान विश्व एड्स दिवस पर संकल्प ले कि, जागरूकता की ज्योत जलाएंगे। स्वयं जागरूक रहेंगे और सबको जागरूक करेंगे।



04/12/2022 आज नियमित गतिविधि में विश्वविद्यालय अध्ययन शाला के शिक्षक कॉलोनी में उगे बड़े-बड़े घास व कांटे वाले पौधों को काटकर उस स्थान को साफ कर हर्बल गार्डन तैयार करने हेतु कार्य किया गया। इसके साथ अध्ययन शाला इकाई के कार्यक्रम अधिकारी रहे, उसके बाद जिला संगठक रायपुर के रूप में कार्य कर रहे प्रो. एल. एस. गजपाल सर को पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के समन्वयक के रूप में नवीन दायित्व मिलने पर अध्ययन शाला इकाई द्वारा उनके सम्मान का कार्यक्रम रखा गया था; जिसमें विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. मनमोहन सतनामी, इंद्रपाल सर, डॉक्टर कमलेश श्रीवास, डॉक्टर गोविंद यादव सर, नागेंद्र चंद्रवंशी सर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कमलेश शुक्ला सर और स्वयंसेवक उपस्थित थे।





18/12/2022 समाज को एकता, भाईचारे तथा समरसता का संदेश देने वाले संत शिरोमणि गुरु घासीदास बाबा की जयंती पर शत्-शत् नमन..🌱

आज विश्वविद्यालय परिसर में गुरु घासीदास बाबा की जयंती के अवसर पर उनके संकल्पों को याद करते हुए [#मद्य निषेध दिवस](#) के रूप में मनाया गया। जिसमे माननीय कुलपति महोदय जी के द्वारा स्वयंसेवकों को "ना नशा करेंगे, ना करने देगे" का शपथ दिलाया गया।





Raipur, Chhattisgarh, India
6HWW+R9F, Amanaka, Raipur, Chhattisgarh 492010, India
Lat 21.247081°
Long 81.595957°
18/12/22 11:15 AM



Raipur, Chhattisgarh, India
6HWW+MJW, Amanaka, Raipur, Chhattisgarh 492010, India
Lat 21.246729°
Long 81.596404°
18/12/22 10:47 AM

नियमित गतिविधि 01/01/2023 को विश्वविद्यालय अध्ययन शाला इकाई पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में छोटे-छोटे पौधों का संरक्षण एवं संवर्धन करते हुए पानी डाला गया ।



12/01/2023 सनातन संस्कृति व भारतीय अध्यात्म परंपरा को वैश्विक क्षितिज पर पुनर्स्थापित करने वाले महान संन्यासी, युवाओं के आदर्श, स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। सभी युवा साथियों को 'राष्ट्रीय युवा दिवस' की हार्दिक शुभकामनाएं!



सात दिवसीय विशेष शिविर

'युवा' उत्साह नए भारत का

स्थान:- अटारी, वि. खं. धरसीवा, जिला रायपुर (छ. ग.)

16/01/2023 प्रथम दिवस: सात दिवसीय विशेष शिविर |

शिविर के लिए प्रस्थान



26/01/2023

74 वी गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।





29/01/2023 [नियमित गतिविधि](#) विश्वविद्यालय अध्ययन शाला इकाई पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में छोटे-छोटे पौधों का संरक्षण एवं संवर्धन करते हुए पानी डाला गया ।



03/02/2023 छत्तीसगढ़ राज्य में [श्रेष्ठ स्वयंसेवक](#) का सम्मान प्राप्त करने पर पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय अध्ययनशाला इकाई के ऊर्जावान स्वयंसेवक फालेन्द्र साहू को ढ़ेरो बधाई एवं शुभकामनाएं....🌸🌸🌸🌸



05/02/2023 [नियमित गतिविधि](#) विश्वविद्यालय अध्ययन शाला इकाई पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में छोटे-छोटे पौधों का संरक्षण एवं संवर्धन करते हुए पानी डाला गया ।



11/02/2023 आज स्वयंसेवको को विश्वविद्यालय परिसर के बायोटेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट में साबुन,डिश वाशर,लिक्विड डिटर्जेंट, हैंड वाश,फ्लोर क्लीनर, हार्पिक,रूम फ्रेशनर आदि बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।





12/02/2023 [नियमित_गतिविधि](#)



05/03/2023

UTD एनएसएस के स्वयं सेवकों ने होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का संचालन हमारे कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कमलेश शुक्ला सर ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम समन्वयक अधिकारी डॉ. एल. एस. गजपाल सर एवं शिक्षक कालोनी के समस्त शिक्षकगण उपस्थित थे।

समारोह में स्वयं सेवकों ने अपने शिक्षक जनों और स्वयं सेवकों ने आपस में एक दूसरे को मिठाई खिलाकर एवं गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। साथ ही लोगो से होली का पर्व आपसी भाईचारागी और सौहार्द पूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की। मौके पर फालेंद्र साहू , प्रतीक साहेब गुप्ता, संजय साहू , सुमित पटेल, अभिषेक वर्मा , दीपक साहू, दीपशिखा डोलसे, प्रिया प्रजापति, प्रवीण बंजारे, योगेंद्र, तेज सिंहा, मोहिनी अग्रवाल, उमा, करण, नविता, आयुष, वर्षा, लक्ष्मी सेन, प्रकाश यदु , सूरज, श्रीकांत, एवं विश्वविद्यालय अध्ययन शाला स्वयं सेवा योजना इकाई 1 एवं इकाई 2 के सभी स्वयं सेवक उपस्थित थे |



MONTH MAY

आज नियमित गतिविधि के दौरान टीचर्स कॉलोनी प्रांगण में स्वयंसेवकों द्वारा साफ- सफाई की गयी।



अत्यंत हर्ष का विषय है कि हमारे प्रदेश के मुखिया माननीय मुख्यमंत्री **श्री भूपेश बघेल जी** अपने व्यस्ततम कार्यक्रम में कुछ क्षणों के लिए हमारे *विश्विद्यालय में आज दोपहर 12 बजे* हमारे समक्ष उपस्थित हुए।

आज सुबह 11 बजे माननीय मुख्यमंत्री जी का कल भवन में स्वागत किया गया।



Pt. RSU NSS Cell Organized the One-day workshop on 01 April 2023

राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर द्वारा विशेष शिविर में कार्यक्रम अधिकारी द्वारा सर्वे करने संबंधी एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें 100 से भी अधिक संस्था के रा.से.यो.कार्यक्रम अधिकारी उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम 01.04.2023 (शनिवार) को प्रातः 10:30 बजे सेमीनार हॉल कला भवन, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुलपति प्रो.केशरी लाल वर्मा एवं विशिष्ट अतिथि डॉ नीता वाजपेयी, राज्य संपर्क अधिकारी उपस्थित रही। इस कार्यक्रम ने नई दिल्ली में प्रशिक्षण प्राप्त कार्यक्रम अधिकारियों के सहयोग से माह मार्च-अप्रैल 2023 में आयोजित होने वाले विशेष शिविर में स्वयं सेवकों सहित कार्यक्रम अधिकारी द्वारा सर्वे करने संबंधी जानकारी दिया गया।





**Pt. RSU NSS Cell Raipur, Organized the State Level Review meeting on
13 April 2023**

छत्तीसगढ़ एन.एस.एस. स्टेट सेल द्वारा राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन दिनांक 13 अप्रैल 2023 को पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की संगठन व्यवस्था में कला भवन, रायपुर में आयोजित हुआ। बैठक में राज्य के रासेयो युक्त विश्वविद्यालयों के कार्यक्रम समन्वयक, जिला संगठको एवं औचारिक शिक्षा एवं नियमित रोजगार में नहीं रहने वाले सर्वेक्षण हेतु प्रशिक्षण प्राप्त कार्यक्रम अधिकारियों की, बैठक में उपस्थिति सुनिश्चित हुयी। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. सच्चिदानंद शुक्ला, तथा अध्यक्षता डॉ. अशोक श्रोती, उपकार्यक्रम सलाहकार एवं क्षेत्रीय निदेशक की उपस्थिति में संपन्न हुयी तथा माननीय कुलपति महोदय तथा अध्यक्ष महोदय द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया गया। बैठक के प्रारंभ में उपस्थित रासेयो कार्यक्रम





With the efforts of the Pt .RSU NSS Cell Raipur on the occasion of Ambedkar Jayanti, on **14 April 2023**, an e-rickshaw was provided by Jakhodia Minerals for student welfare .

पं.रविशंकर शुक्ला विश्वविद्यालय रायपुर के नवनियुक्त कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ला की प्रेरणा एवं नेतृत्व और राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रयत्नों से 14 अप्रैल 2023 को अंबेडकर जयंती के अवसर पर जाखोडिया मिनरल के द्वारा छात्र कल्याण हेतु एक ई -रिक्शा प्रदान किया गया। यह कार्य प्रातः 7:00 बजे पं रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय परिसर में स्थित बंजारी माता मंदिर में विधिवत पूजा करके संपन्न की गई इस अवसर पर रायपुर पश्चिम के लोकप्रिय विधायक श्री विकास उपाध्याय उनका मॉर्निंग वॉक समूह उपस्थित था। विधायक श्री विकास उपाध्याय ने स्वयं ई रिक्शा को चलाते हुए उसमें माननीय कुलपति जी, प्रॉक्टर,राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के सा कार्यालय सल्लाहकार एवं क्षेत्रीय निदेशक डॉ

अशो
सच्चि
साम





Pt. RSU NSS Cell Raipur, organized the plantation program on Ambedkar Jayanti at Gyan Sarovar on April 14, 2022.

भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में स्थित ज्ञान सरोवर में फलदार पौधों का वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ला, राष्ट्रीय सेवा योजना के उपकार्यक्रम सलाहकार एवं क्षेत्रीय निर्देशक अशोक कुमार श्रोती, विश्वविद्यालय प्रॉक्टर, डीएसडब्ल्यू, राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारीगण, शिक्षक संघ, कर्मचारी संघ, छात्र संघ सहित राष्ट्रीय सेवा योजना के 50 से भी अधिक स्वयंसेवकों की उपस्थिति रही है। इस अवसर पर 25 फलदार पौधों का वृक्षारोपण किया गया जिसमें आम, रामफल, सीताफल, अमरूद, जामुन, एवं बादाम के पौधों का वृक्षारोपण किया गया। माननीय कुलपति जी ने इस अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा कि विश्वविद्यालय के सभी छात्रों का अपने विश्वविद्यालय के साथ-साथ सामाजिक के प्रति सरोकार होना चाहिए। वृक्षारोपण कार्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ सामाजिक सरोकार की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है और उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर के कर्मचारी- अधिकारी, छात्र-छात्राओं को भी राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा किए जा रहे के प्रयासों में शामिल होने की बात कही तथा इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के उप कार्यक्रम सलाहकार एवं क्षेत्रीय निर्देशक डॉ. अशोक कुमार श्रोती जी ने कहा की राष्ट्रीय सेवा योजना का जैसा कि नाम है एनएसएस मतलब नॉट स्टॉप

सर्विस अर्थात निरंतर सेवा देना और उन्होंने ये कहा की राष्ट्रीय सेवा योजना अपने सामाजिक दायित्व के तहत वृक्षारोपण, ब्लड डोनेशन, सामाजिक जागरूकता के साथ-साथ अन्य महत्वपूर्ण कार्यों को निरंतर करते रहा है और उसमें यदि जन सहयोग मिलता है तो किसी भी संस्था के लिए गर्व की बात है।



पौधा रोपण कार्यक्रम (02 मई 2023)

सेवानिवृत्त शिक्षकों व कर्मचारियों के नाम से विश्विद्यालय परिसर में फलदार पौधे यांत्रिकी विभाग के प्रभारी इंजीनियर श्री बी पी भंवर, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक प्रोफेसर एल. एस.गजपाल के नेतृत्व में स्वयंसेवको द्वारा वृक्षारोपण का कार्य सम्पन्न किया गया





स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम (15 मई 2023)

राष्ट्रीय सेवा योजना एवं विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र के संयुक्त तत्वाधान में 15 मई 2023 को निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विश्वविद्यालय के शिक्षकों अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा उनके परिवारिक सदस्यों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया जिसमें बीपी, शुगर, बोन डेंसिटी, लिपिड प्रोफाइल मुख्य था। रिपोर्ट आने के तुरंत पश्चात स्वास्थ्य केंद्र के डॉ. एस.एस अग्रवाल के द्वारा परामर्श एवं दवाई का निर्देश दिया गया। शिविर का उद्घाटन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ला के स्वास्थ्य परीक्षण के साथ किया गया। इस अवसर पर माननीय कुलपति जी ने स्वास्थ्य केंद्र एवं राष्ट्रीय सेवा योजना की पहल को विश्वविद्यालय के लिए महत्वपूर्ण योगदान बताया और कहा कि प्रति 3 माह में इस प्रकार का स्वास्थ्य शिविर का आयोजन होने से कर्मचारियों की स्वास्थ्य की स्थिति बेहतर होने के साथ-साथ इसका प्रभाव उनकी कार्यक्षमता पर भी पड़ेगा जिसका लाभ विश्वविद्यालय व समाज को होगा। स्वास्थ्य शिविर में 250 से भी अधिक व्यक्तियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया कार्यक्रम के सफल आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. एल.एस गजपाल, अध्ययनशाला इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कमलेश शुक्ला, वरिष्ठ स्वयंसेवक फलेन्द्र कुमार का विशेष योगदान रहा है। स्वास्थ्य शिविर को लेकर विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और अधिकारियों में जबरदस्त उत्साह देखा गया।






विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केन्द्र एवं राष्ट्रीय सेवा योजना
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित

स्वास्थ्य शिविर

दिनांक : 15 मई 2023, सोमवार
 समय : सुबह 9:30 से शाम 4 बजे तक
 स्थान : विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केन्द्र
 पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

नोट : 35+ आयु वर्ग के लिए





विश्व तंबाकू निषेध दिवस (31 मई 2023)

पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर शपथ एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशासनिक भवन में हुए जागरूकता कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिकारी, प्राध्यापक और कर्मचारियों ने तंबाकू का सेवन नहीं करने की शपथ ली। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. शैलेंद्र पटेल ने सभी को शपथ दिलाई। कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ल ने कहा कि सामूहिक प्रयत्नों से ही तंबाकू के सेवन न करने के लिए जागरूक कर सकते हैं। धूम्रपान व तंबाकू के दुष्प्रभाव से बचने व बचाने की आवश्यकता है। इस मौके पर प्रो. एके गुप्ता, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. राजीव चौधरी, डा. एलएस गजपाल, डा. कमलेश शुक्ला, शोभना सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

तंबाकू का सेवन नहीं करने की ली शपथ

पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर शपथ एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशासनिक भवन में हुए जागरूकता कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिकारी, प्राध्यापक और कर्मचारियों ने तंबाकू का सेवन नहीं करने की शपथ ली। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. शैलेंद्र पटेल ने सभी को शपथ दिलाई। कुलपति

प्रो. सच्चिदानंद शुक्ल ने कहा कि सामूहिक प्रयत्नों से ही तंबाकू के सेवन न करने के लिए जागरूक कर सकते हैं। धूम्रपान व तंबाकू के दुष्प्रभाव से बचने व बचाने की आवश्यकता है इस मौके पर प्रो. एके गुप्ता, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. राजीव चौधरी, डा. एलएस गजपाल, डा. कमलेश शुक्ला, शोभना सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।



तंबाकू सेवन न करने की शपथ लेते कुलपति डा. सच्चिदानंद शुक्ल (मध्य में) के साथ अधिकारी और कर्मचारी। = विधि





02.06.2023- भारत सरकार के युवा कार्यक्रम सचिव से पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति की युवा विकास पर हुई चर्चा

कार्यक्रम में भाग लेने पहुंची भारत सरकार के युवा वाय- 20 कार्यक्रम विभाग की सचिव श्रीमती मीता राजीवलोचन से पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० सच्चिदानंद शुक्ला ने युवा विकास पर विस्तृत चर्चा किया। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ के द्वारा युवाओं के विकास, पर्यावरण संरक्षण में रासेयो भूमिका तथा जनभागीदारी से विवि द्वारा उच्च शिक्षा में सामाजिक दायित्व के तहत किए जा रहे प्रयासों को विस्तार से बताया है। सचिव श्रीमती मीता राजीव लोचन ने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों को विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्र में इंटरशिप के द्वारा जोड़कर कैसे रोजगार के अवसर सृजन करने पर बल दिया। इस अवसर पर रासेयों के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अशोक श्रोती, राज्य एन. एस. एस. अधिकारी डॉ. नीता वाजपेयी, राष्ट्रीय सेवा प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉ. एल. एस. गजपाल ने भी चर्चा में भाग लिया। चर्चा के दौरान रायपुर शहर के दुर्गा महाविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुनीता चंदसोपीया, गुरुकुल महाविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रात्री, विवि अध्ययन शाला इकाई

के अधिकारी डॉ. शुक्ला व वरिष्ठस्वयं सेवक फलेन्द्र साहू उपस्थित रहे।



5 जून 2023 विश्व पर्यावरण दिवस

विश्व पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर पं रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ के माध्यम से ज्ञान सरोवर तालाब में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत 75 से भी अधिक फलदार पौधों का वृक्षारोपण किया गया जिसमें आम, जामुन, आंवला एवं अन्य पौधे रोपित किए गए। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सच्चिदानंद शुक्ला जी, डॉक्टर हेमलता मैडम, ग्रीन आर्मी के पदाधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना के

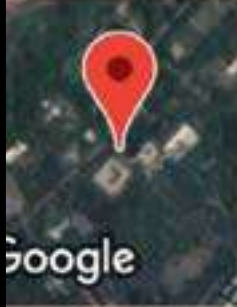


कार्यक्रम समन्वयक प्रो. एल. एस. गजपाल, कार्यक्रम अधिकारी कमलेश शुक्ला, वरिष्ठ स्वयंसेवक फलेन्द्र साहू, प्रतीक गुप्ता, संजय साहू एवं 10 महाविद्यालय के 100 से अधिक स्वयंसेवकों की उपस्थिति रही।





GPS Map Camera



Raipur, Chhattisgarh, India

Near University Auditorium, Pt. Ravishankar shukla university, Amanaka,
Raipur, Chhattisgarh 492010, India

Lat 21.244384°

Long 81.594244°

05/06/23 08:51 AM GMT +05:30

विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2023 के शुभ अवसर पर पंडित रविशंकर



शुक्ला विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा व्याख्यान माला का आयोजन किया गया।

**INTERNATIONAL YOGA DAY (21 JUNE 2023)
N.S.S PT. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY,
RAIPUR(C.G.)**





27 जून 2023 पौधारोपण (हर्बल प्लांट)

27 जून 2023 को फार्मेसी विभाग पं. रविशंकर शुक्ल विश्विद्यालय के गार्डन में पौधारोपण (हर्बल प्लांट) किया गया। इस कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ.शैलेश पटेल, प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण, राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारीगण एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे।



CENTRE FOR WOMEN'S STUDIES

Pt.Ravishankar Shukla University, Raipur(C.G.)

LIST OF ACTIVITIES

Session – 2022-23

S.No.	Date of Activities	Events	Participant
1	06 th August, 2022	Awareness programme on,“Step up Breastfeeding :Educate and support” in collaboration with AIIMS, Raipur.	120
2	14 th September, 2022	National workshop on,“SuposhitMahilaSashaktSamaj” in collaboration with National Commission for	190
3	14 th -15 th November, 2022	National Seminar on,“Bio-Psycho-Social Issues of Sports Women”in collaboration with National Commission for Women (NCW)	205
4	6 th December, 2022	Online Safe Campus Program (make your campus gender just, safe conducive) in collaboration with Martha Farrell Foundation	105
5	21 st December, 2022	One day workshop on Gender sensitization	30
6	24 th January, 2023	One day programme on National Girl Child Day	20
7	28 th February to 1st March, 2023	Two days Self defence training programme for girls (As part of the International Women's Day Celebration)	180
8	2 nd March, 2023	National Workshop on,“DigitALL: Innovation and Technology for Gender Equality” (As part of the International Women's Day Celebration)	170

Awareness programme
on
“Step up Breastfeeding : Educate and support”
in collaboration with **AIIMS Raipur**
06th August, 2022

MAA - "Mother's Absolute Affection" is a nationwide programme of the Ministry of Health and Family Welfare to bring undiluted focus on promotion of breastfeeding and provision of counselling services for supporting breastfeeding through health. To educate and create awareness among the young females a awareness programme entitled, ” Step up Breastfeeding : Educate and support” was organized by Centre for Woman Studies, Pt, Ravishankar Shukla University, Raipur in collaboration with AIIMS Raipur on 6th August, 2022. The speakers of this event were Dr. Anil Kumar Goal, HoD Paediatrics, & Project Director, State Centre of excellence severe Acute Malnutrition, AIIMS, Dr. Binu Mathew, Principle College of Nursing, AIIMS, Mrs. Vahitha S, Dept. of OBC Nursing and Mrs. Joyce Joseph, Dept. of Child Health Nursing AIIMS, Raipur. The speakers described about the promotion and importance of breast feeding to the participants of the workshop for attaining a good health in the early growth years of a child. Benefits of breast feeding to the child and the lactating mother was discussed .



ONE DAY WORKSHOP
ON
"SUPOSHIT MAHILA SASHAKT SAMAJ"
(Nutrition Month 1-30 September)
14th September, 2022

POSHAN campaign is Prime Minister's overarching scheme for holistic nutrition under the Government of India's flagship programme, "National Nutrition Mission", to improve nutritional outcomes for children, pregnant women and lactating mothers. POSHAN campaign (Prime Minister's Overarching Scheme for Holistic Nutrition) was launched by the Prime Minister Narendra Modi on the occasion of the International Women's Day on 8 March, 2018. (<https://www.niti.gov.in/poshan-abhiyaan>)

POSHAN Abhiyaan is a Jan Andolan or "People's Movement" by incorporating inclusive participation of public representatives of local bodies, government departments of the States/UTs, social organizations and the public and private sector at large. In order to ensure community mobilization and bolster people's participation, every year, the month of September is celebrated as POSHAN MAAH across the country. Month of September, 2018 was celebrated as Rashtriya POSHAN MAAH. The activities in POSHAN MAAH focused on Social Behavioural Change and Communication (SBCC). The broad themes were: antenatal care, optimal breastfeeding (early and exclusive), complementary feeding, anaemia, growth monitoring, girls' - education, diet, right age of marriage, hygiene and sanitation, eating healthy - food fortification. (<https://www.niti.gov.in/poshan-abhiyaan>)

More than 12.2 Crore women, 6.2 Crore men and over 13 Crore children (male and female) were reached through the various activities undertaken during POSHAN Maah. It is worth mentioning that 30.6 Crore people were reached in 30 days. POSHAN MAAH has given a major impetus to the Abhiyaan. (<https://www.niti.gov.in/poshan-abhiyaan>).

This year, the COVID-19 pandemic has potentially reversed much of the progress made towards meeting the second of the Sustainable Development Goals (SDGs): ending hunger, achieving food security, and improved nutrition. Budget 2020-218 witnessed an enhanced allocation of INR 35,600 crore for nutrition-related programs and an additional INR 28,600 crore for women-related programs.

With the vision to make Indian women strong in every manner possible the National Commission of Women (NCW) espouses the dream of Hon'ble Prime Minister Narendra Modi to be part of PM's Overarching Scheme for Holistic Nourishment (POSHAN). NCW has planned to celebrate September 7-30th, 2022 as POSHAN Month in which several activities are planned to focus specially on the methodologies to be adopted for improving the nutritional outcomes for adolescents, pregnant women and lactating mothers by leveraging technology, targeted approach and convergence. Keeping in mind the above said mandate, NCW has planned to organize webinars with the objective of creating awareness, getting an insight into the relevant subject

One day workshop on "SUPOSHIT MAHILA SASHAKT SAMAJ" was organized by Centre for Women's Studies, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur in association with National Commission for Women (NCW), New Delhi & CHHATTISGARH POSHAN ABHIYAAN SAMITI on 14th September, 2022 which was attended by more than 190 participants both males and females from different parts of Chhattisgarh, including teaching faculties, employee, research scholars, students of science and social science streams, NGO and doctors.

The program was presided over by the Vice Chancellor, Prof. Keshri Lal Verma, Pt. Ravi Shankar Shukla University. Appreciating the event, he talked about conducting programs related to nutrition and health of girls in future also with the help of organizations like Women's Commission and Poshan Abhiyan Samiti. Also apprised about the work being done in this direction through Centre for Women's Studies of the university.

Mrs. Rekha Sharma said that today we are going to talk about the level of nutritious diet and its proper quantity, not starvation. The importance of dietary nutrients has now become part of our thinking, this is a huge change. Only a well-nourished woman will give birth to a healthy child.

As a special guest, Harshita Pandey, former chairperson of Chhattisgarh Women's Commission, raised the slogan of 'SahiPoshan-Desh Roshan' on this occasion and urged NGOs, women self-help groups, Anganwadi centers and students to run the nutrition program as a national nutrition campaign. She said that now we have to show that every woman of the country becomes so empowered that she is able to get justice not only in her family and society.

Professor Mitashree Mitra, Professor at Swami Vivekanand Vidyapeeth and Retired Professor from SOS in Anthropology of Pt. Ravi Shankar University gave important information regarding

balanced diet to maintain nutritional quality for better health through power presentation and her personal research and survey.

In the end, subject expert Senior Dietician Mrs. Kavita Pujara highlighted the difference between nutritionist and dietician, importance of diet chart and nutrients of diet along with giving information about employment opportunities in the field of dietician. The meeting was conducted by ML Sarraf, Advisor of the Pharmacy Department of the University, Dr. Nitesh Kumar Mishra, Director of the Department and Sharad Srivastava of the Chhattisgarh Nutrition Campaign Committee. In the second session of the workshop, the questions and queries related to nutrition and diet of the participants were resolved by the experts.

On this occasion, Dr. Namrata Sharma, Amarjit Chhabra, Ajay Tiwari, Dr. Nitish Kumar Mishra, Professor Rajiv Chaudhary, Dr. Daharwal, Dr. Kamlesh Shukla, Dr. Banshu, Professor Kavita Thakur, Dr. Anuradha Chakraborty, Dr. Aniksha Varoda, KB Rao, Upasana, Deepshikha, Dr. Bharvi Vaishnav, Rinki Aggarwal, Anikasha and Mr. Rao, along with a large number of professors, students and members of the Chhattisgarh Nutrition Campaign Committee were present.





सशक्त भारत की नींव है सुपोषित महिला: रेखा शर्मा

सुपोषित महिला सशक्त समाज विषय पर पोषण माह में कार्यशाला

रायपुर। राष्ट्रीय महिला आयोग नई दिल्ली की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती रेखा शर्मा ने कहा कि सुपोषित महिला ही सशक्त समाज की नींव होती है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे करने का संकल्प लिया है। हमें उनके इस स्वप्न को साकार कर दिखाना है।

श्रीमती शर्मा बुधवार को यहां एक कार्यशाला को संबोधित कर रहीं थीं। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के फार्मसी संस्थान स्थित एम.एल. सराफ सेमिनार हॉल में 'सुपोषित महिला सशक्त समाज' विषय पर यह कार्यशाला केंद्र सरकार द्वारा 1 से 30 सितंबर तक घोषित राष्ट्रीय पोषण माह की कड़ी में आयोजित थी। श्रीमती शर्मा ने कहा कि आज हम भुखमरी की नहीं पोषक आहार के स्तर और उसकी उचित मात्रा की बात करने जा रहे हैं। आहार के पोषक तत्वों की महत्ता अब हमारे सोच में शामिल हो चुकी है, यह एक बहुत बड़ा बदलाव है। सुपोषित महिला ही स्वस्थ शिशु को जन्म देगी। अध्यक्षता पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो. केशरीलाल वर्मा ने की।



सही पोषण, देश रोशन: हर्षिता पाण्डेय

बतौर विशेष अतिथि छत्तीसगढ़ महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष हर्षिता पाण्डेय ने इस मौके पर 'सही पोषण-देश रोशन' का नारा लगवाते हुए पोषण कार्यक्रम को राष्ट्रीय पोषण अभियान के रूप में संचालित करने एनजीओ, महिला स्व-सहायता समूहों, आंगनबाड़ी केंद्रों और विद्यार्थियों से पुरजोर योगदान देने का आह्वान किया।

उन्होंने आयोजन की सराहना कर भविष्य में भी महिला आयोग और पोषण अभियान समिति जैसी संस्थाओं के सहयोग से बालिकाओं के पोषण व स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम संचालित करने की बात कही। साथ ही इस दिशा में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों व एनएसएस के जरिए किए जा रहे कार्यों के बारे में बताया।



NATIONAL SEMINAR ON BIO-PSYCHO-SOCIAL ISSUES OF SPORTS WOMEN

NOVEMBER 14TH -15TH, 2022



**SPONSORED BY
NATIONAL COMMISSION FOR WOMEN, NEW DELHI, INDIA**

**ORGANIZED BY
CENTRE FOR WOMEN'S STUDIES
PT. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY, RAIPUR (C.G.)**



National Seminar
on
“BIO- PSYCHO- SOCIAL ISSUES OF SPORTS WOMEN”
NOVEMBER 14th -15th, 202

BACKGROUND

The sports women in India as well as across the globe are accorded special status and are pride for society and nation. Sports has power to change lives, women taking part in sports show better life qualities. Women have performed and shown their efficiency in all type of sporting events and also held top level management positions in apex sports bodies in educational institutes and government offices on the basis of their performance and competency. Despite of all these achievements, they are still affected by numerous bio-psycho- social issues. Few of these are gynaecological, gender inequality, sexual harassment, and psychological. Though society is working towards becoming more sports inclusive for women. Encouraging women to pursue careers as players, coaches, and trainers, can push sports towards more gender equality.

Sports has power to change lives, women taking part in sports show better life qualities. Though society is working towards becoming more inclusive, discrimination in sports continues, one should strive to thoroughly investigate all the area and issues so that sports can be more inclusive for women. Encouraging women to pursue careers as players, coaches, trains, her executives and journalist can push sports towards more gender equality.

Female athletes have a unique physiology compared to their male counterparts and so have unique biological, nutritional ,sociological and psychological needs. Biological issues like “The Female Athlete Triad” put athletes at an increased risk of injury, illness and nutrient deficiency, as well as affecting the menstrual cycle which in turn causes poor bone health and an increased risk of fractures beaks and osteoporosis. None of which are ideal for a female athlete. Knowing how to fuel afemale athlete is key to successful sports performance and health. We need to ensure that female athletes get adequate nutrition. However, the exact number of calories to be consumed is much more complicated and will depend on a number of factors like age, weight activity level etc.

Gender equality is one of the major concerns of Indian society and it is now being looked after by several authorities and women as well. Women are made to face the consequences of

buoyant sexism as they are confined more towards house hold chores and they are judged in all aspects of life. Women have now excelled and endorsed in their lives.

The sports sector has seen an upsurge in the number of women athletes. The first and foremost challenge faced by women in sports is the dip in their pay scale as women athletes are paid either less or half what is paid to the male counterparts. There is a huge discrepancy between the male and female incomes and so is the case with prize money.

Despite assurances of changes and a few female athletes making a name for themselves internationally, the situation of women in sports in India is on rise but till we need to work on it. Although woman participation in sport sector is on upsurge in India still the women folk in remote areas need a push and awareness in sport participation. Encouraging women to pursue careers as players, coaches, and trainers, can push sports towards more gender equality.

In order to understand and address these issues related to hesitancy of women to participate in the sports, a two day workshop on, “**Bio- Psycho- Social Issues of Sports Women**” was organized by Center of Woman Studies in collaboration with National Commission for Women, New Delhi, India. Target participants of Seminar were students & Research Scholars in Physical education, Teachers/Coaches/Trainer, All sports Professionals, Women employees & Sports officer.

FOCUS OF THE SEMINAR

Sports has immense opportunities in career, personal, social and national development. Still there are many hinderances in sport participation by the woman folk. The seminar focusses to help to raise bio-psycho-social issues of sports women and empower them by thoughtful deliberations of the experts of the field.

OBJECTIVES OF THE SEMINAR

The objective of the seminar was to discuss the biopsychosocial issues of sports women.

SUB THEMES

Sub themes of the seminar were -

1. BIOLOGICAL (PHYSIOLOGICAL) PROBLEM OF WOMEN IN SPORTS –Female Athlete's Triad, Pre-Menstrual Syndrome, Pregnancy etc.
2. PSYCHOLOGICAL PROBLEMS AMONG SPORTS WOMEN: Psychological, Health & Stress.
3. SOCIAL ISSUES: Gender Discrimination, Sexual Harassment, & Social Support.
4. BENEFITS OF PARTICIPATION IN SPORTS: Social, Mental, Social & Psychological.

ORGANIZERS

The seminar was jointly organized by the Centre for Women's Studies, Pt. Ravishankar Shukla University and National Commission for Women.

Seminar started with registration in the morning. About 200 participants from various colleges and universities of Raipur registered and participated in the seminar. Registration was also done through Google forms.

DAY -I

INAUGURAL FUNCTION

The programme was inaugurated by Dr. Kiranmayee Nayak, Chairperson, State Commission for Women. Prof. Reeta Venugopal, Director, Center for Woman Studies gave the opening remarks. Prof. C.D. Agashe, HoD, SoS in Physical Education said the programme complimented the golden jubilee of Physical education department. Guest of Honor of the inaugural session were Ms. Neeta Dumre, Ex International Hockey player and Mr. Yashpal Solanki, Arjun Awardee. They shared their experiences as a sports person. In the programme we had 4 sports women, Dr. Banso Nuruti, Kavita Verma, Yashoda Sahu & Maheshwari who shared their experience of sports journey. This was followed by special lecture by Dr. Vani Bhushanam



Pic no. 01- Glimpses of the Inaugural Function



Pic no. 02- Dignitaries at the inaugural ceremony

Prof. Reeta Venugopal, Director, Center for Woman's Studies gave the opening remarks. She gave a brief introduction of Nation Commission for Women. She said that although women sport persons are making their mark globally but still there remains a lot of scope to work in this field. BCCI has announced to give equal wages to both men and women. She said that sexual harassment is very commonly experienced by even sports women which puts a deep impact if any women athlete experiences in her life. It is very important to create a healthy environment to avoid such unpleasant incidences. She further, highlighted on the need of the hour to promote women and girls in sports



Pic no. 03- Prof. Reeta Venugopal giving the opening remarks at the inaugural session

Prof. C.D. Agashe, the HoD of SoS in physical education said the programme complimented the golden jubilee of Physical education department. He talked about the role of sport in boosting a countries economic prosperity. He talked about the economic issues of the sports woman. He also showed concern about gender biasness in many games because of which women feel constrained to participate in sport.



Pic no. 04 - Prof. C. D. Agashe, Head, SOS in Physical Education, addressing the audience

Dr. Kiranmayee Nayak, Chair person, State Commission for Women said that in the society gender biasness prevails and so as in sport and in the communities especially in the rural areas the biasness are actively perceived by the community folk that women are sensitive and more delicate and they require protection biologically, socially and psychologically. She drew attention of audience by telling that how in our society male and female are discriminated in the nutritional , education and social aspects. She said that activities relating to Sports and Physical Education are essential components of human resource development, helping to promote good health, comradeship and a spirit of friendly competition, which, in turn, has positive impact on the overall development of personality of the youth.



Pic no. 05- Dr. Kiranmayee Nayak addressing the house at the inaugural session

Guest of honor Ms. Neeta Dumre, Ex International Hockey player said that she got a lot of recognition after she represented India in the international level. She said that social stigma is attached to sports women, which may lead to drop out from sports. She said that we want our girls to play games but when it comes to match making we don't want to accept women players or athletes as our daughter in laws. She emphasized that we should encourage our girls to play sports and also we should also have a whole hearted acceptance of a sports women as our daughter in laws.

She shared her personal experience as a sports person and narrated how she managed to practice with inadequate sports equipment's and clothing. She shared that participation in sport was difficult due to lack of facilities in terms of equipment's as well as infrastructure which sometimes reduced self confidence and vigor to play with the players at the national level but the hard work, will power, and love and passion for playing hockey helped her to overcome the hurdles. She emphasized that bio-psycho- social issues are untouched areas which needs attention for women in sports.



Pic no. 06- Mrs. Neeta Dumre sharing her experience as a sports person and addressing the house
Dr. Vani BhushanamGolla,Scientific Officer, Department of sports nutrition, National center for sports Science Research, Sports Authority of India, New Delhi said that although the level of participation and performance still varies greatly by country and by sport, women's sports are widely accepted throughout the world today.

She said that although there has been a rise in participation by women in sports, a large disparity still remains. Her presentation focused on the nutritional needs of the women athletes. Equality in sports is now being provided by giving women sports persons equal opportunities of sports training and sports participation. Females have always experienced hurdles and challenges as a sports person. Social acceptability is a big challenge when a woman chooses sports as her career. It is difficult to convince even the family members for the same. Dr. Vani explained very elaboratively about the nutritional advice for men and women athletes. She explained how the energy expenditure involved in different sport events and the body weight of the players should be considered in calculating the calorie requirements of every player. She also explained that the nutritional requirements should be personalized as per individual player's needs. Ms. Vani Bhushanam further explained the various advantages and disadvantages of male and female athletes as per body composition. She talked about the total calory requirement and total micronutrient requirements of the athletes for getting better performance.

STORY NARRATIONS OF SPORTS WOMAN OF UNIVERSITY

In the inaugural session the sports women of the Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G) Dr. Banso Nuruti, Kavita Verma, Yashoda Sahu & Maheshwari. They shared their real stories and experiences of sports journey.

A short video clip of the sports journey of the four plyers was played . Link of the video clip of sports journey of the 4 athletes is- <https://youtu.be/zCWPn9zYbNQ>

In the post lunch session **Mr. Yashpal Solanki, Arjuna Awardee, Sports Authority of India** gave his presentation on Gender Equality and Inclusion in Sports. He explained how gender equality could be considered in sports.

He said that "Achieving gender equality and women's empowerment is key to meet the 2030 Agenda for Sustainable Development and its 17 Sustainable Development Goals (SDGs) adopted by world leaders in 2015, as a roadmap for progress that is sustainable and leaves no one behind". He narrated that sport holds enormous capacity to propel gender equality and women and girls' empowerment. He said that present priority of International Olympic Committee (IOC) is to build a peaceful and better world through sport and gender equality. IOC continues to push for women's representation and participation in all levels and all structures of sport, beyond

balancing the number of women competing in the Olympic Games. He said that the number of women athletes in Olympic games is approaching 50%. Women have participated in every Olympic sport since 2012. Another remarkable thing is all the new sports to be included in the games must contain women's events. Female participation in the Olympic games has increased from 2.2% in Paris Olympic in 1900 to 48.8% in Tokyo Olympic in 2020, which indicates a positive change.



Pic no.07 -Mr. Yashpal Solanki giving his presentation

This was followed by a presentation by **Dr. Vani Bhushanam Golla**. She described that biological differences are pertinent in sporting performance. Men have higher aerobic capacity, larger muscle, lower fat percent, higher power to weight ratio, better GI adaptation and faster recovery. On the other hand, women have lesser muscle fatigability, even running speed and better user of fat as fuel.

In addition, menstrual cycle could reduce exercise performance though trivially which was observed in the early follicular phase of the menstrual cycle. Hormone patterns in women can influence many outcome measures but not limited to substrate metabolism, stress reactivity,

muscle function, and bone health. Nutritional Strategies therefore, could be seen in the light of variations among males and females.

The speaker emphasized that the recommendations currently available for female athletes should be encouraged and supported to come up with gender specific guidelines that will

- Firstly promote their health and wellbeing,
- Secondly improve on the biological differences,
- Thirdly garner the advantage of changes in the menstrual cycle,
- Fourthly identify and excel in the sports which provide women with an edge and fifthly optimize sporting performance.



Pic no. 08- Dr. Vani Bhushanam Golla giving her deliberation

GROUP ACTIVITY OF SEMINAR

A group activity for the participants of seminar was organized to discuss various barriers sports women come across. All the participants were divided into five groups for the activity. Each group worked with mentors to guide them. The groups worked on socio-cultural barriers, Health Related Barriers and Biological Barriers, Psychological Barriers, Economic Barriers & Physical

Barriers. Participatory methods were used for the group activity. The group members worked together and came up with various barriers in sports for women as they believe in the form of painting, mapping, stories and in the form of text along with recommendations to cope up with those barriers.

The main findings of the group activity were shared by the groups in the seminar. Outcomes of group activity that is various barriers in the sports for women and the ways to cope up with the same are presented in the following table-

Key Recommendations of the various barriers to participation in sports among female were-

BARRIERS IN SPORTS PARTICIPATION AMONG WOMEN AND SUGGESTIONS TO OVERCOME

GROUP 1 - SOCIAL AND CULTURAL BARRIERS

Barriers

- Lack of family care and social support
- Cultural barriers hinders/puts on adverse remarks for the use of various sports garment
- Lack of motivation
- Body image
- Hurdles of family life

Recommendations To Overcome Barriers

- Awareness for women participation in sports has to be increased in the family, community and society which in turn might bring about social acceptance for women sports persons.
- Positive perception of one's own skills and ability should be built up.
- Use a variety of images in publicity, not just those which show the idealized female figure.
- Identification of sports talent at the community level should be done and they should be assisted financially to pursue sports as career.
- Sport club at rural and urban areas should be made to initiate training and sports discipline at a very early age and even at school level onwards.
- Awareness about the present financial assistance for sports should be created.
- Provide crèche facilities or classes for toddlers and children, so that adults can bring their children when they go to exercise.

Group 2 - Health Related Barriers and Biological Barriers

Barriers

- Being a female itself seems a barrier
- Lack of sanitation
- Conditions like Amenorrhea, anemia, malnourishment, low bone density, trauma in post injury phase etc .

Recommendations

- Families should encourage women to participate in sports. Women and girls cannot play sport if they cannot get access to the basic amenities.
- Better sanitation facilities should be made available at the schools, sports academies
- Micronutrient recommendations should be according to be the menstrual loss
- Sports doctors should be appointed at even remote sports training centers for helping recover the injuries.
- Malnourishments and other health issues should be taken care of before and during the sports training.

GROUP 3 - PSYCHOLOGICAL BARRIERS

Barriers

- Anxiety
- Peer pressure
- Fear of loosing
- Depression due to injuries
- Lack of confidence due to poor communication skills

Recommendations

- With the help of counselling by professional psychologist the issues listed above can be taken care of.
- Mental and physical health of athletes should be made strong to handle the pressures.
- Need to work for strengthening the communication skills among athletes.

GROUP 4- ECONOMIC BARRIERS

Barriers

- Lower socio-income families cannot afford the expenses involved in sports training and coaching cannot pay for sports equipment's, clothing etc.
- Lack of financial support

Recommendations

- Scholarships should be given to talented players.
- Wages of female should be given hike.
- Subsidies for women's activities can make them more affordable. If subsidies cannot be sustained, consider offering them at the start of a new project or activity, and then gradually introduce fees.



Pic no. -09 & 10- Group Activity

GROUP 5-PHYSICAL BARRIERS

Barriers

- Long distance of sports academy
- Lack of infrastructure
- Lack of practice means such as no Astroturf grounds available for practice
- Poor group practice
- Lack of trained coaches

Recommendations

- Talent hunting at every city, village and community must be done with serious efforts
- Sports facility should be developed at community level
- Developmental issues at community level will help overcome most of our physical barriers.
- Sports culture should be encouraged.

The existing barriers to women and girls 'participation in sport and physical activity leads to lower participation rates among women as compared to men. This gender gap is caused by these barriers and it plays a significant role in women and girls' attitudes and behavior. It is recommended to work on the various barriers and the suggested ways to overcome those.

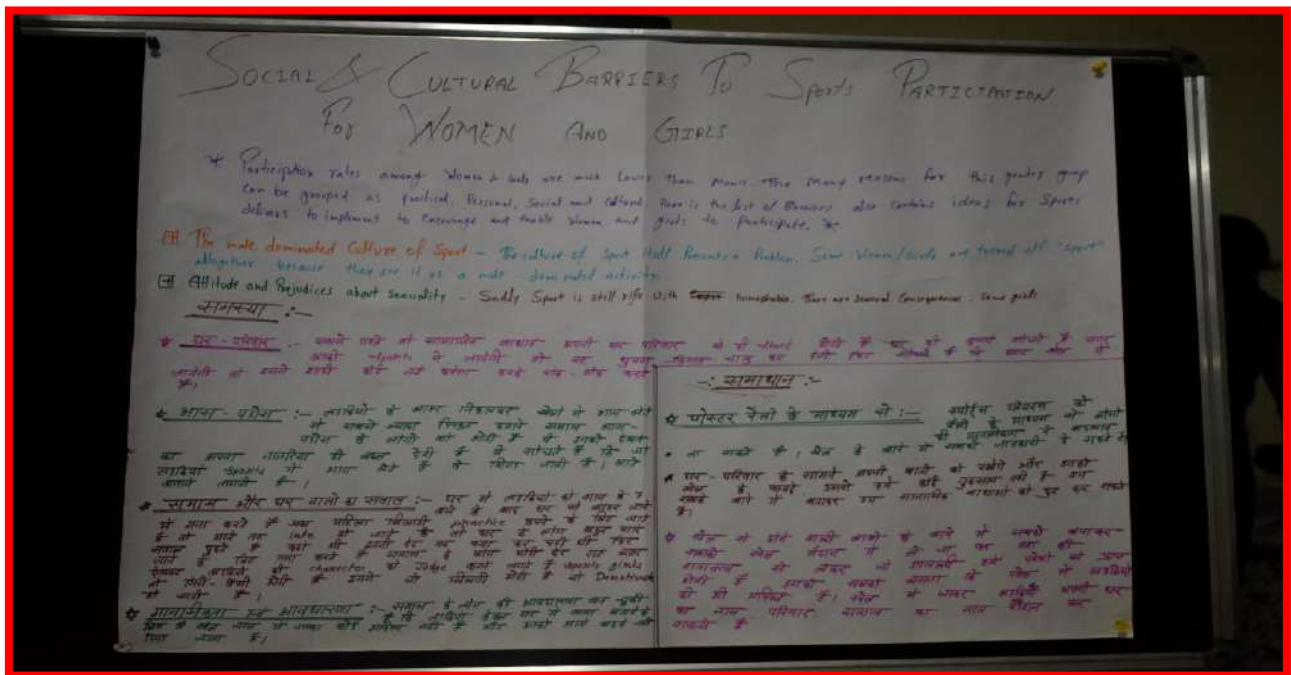


Pic no. -11 & 12- Group Activity

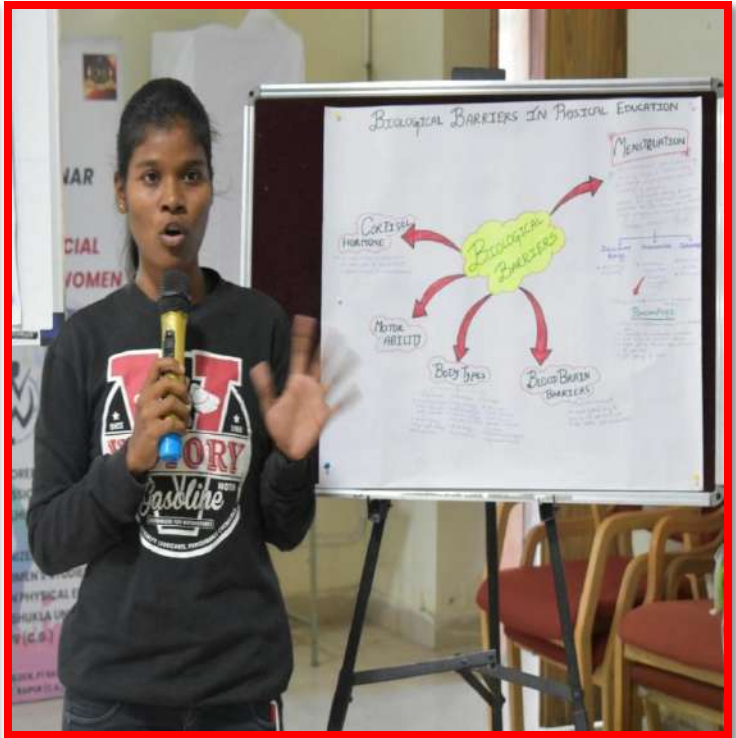
SHARING OF RESULTS



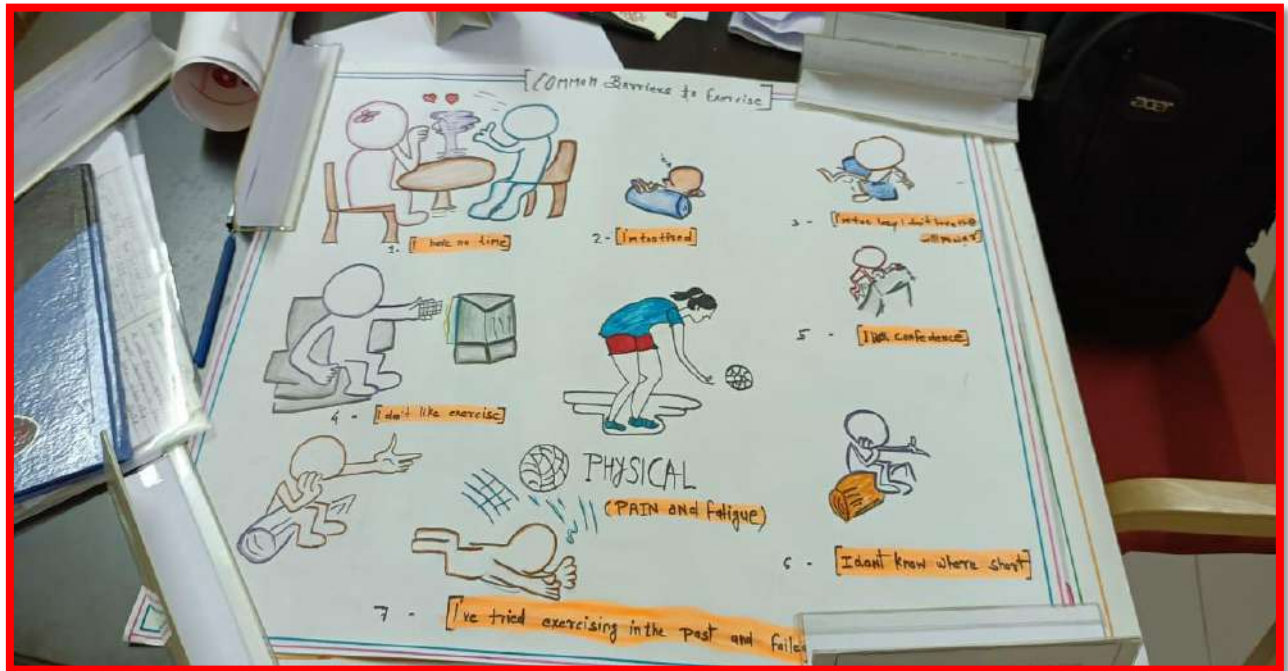
Pic no.13 - Sharing of result of Group - I



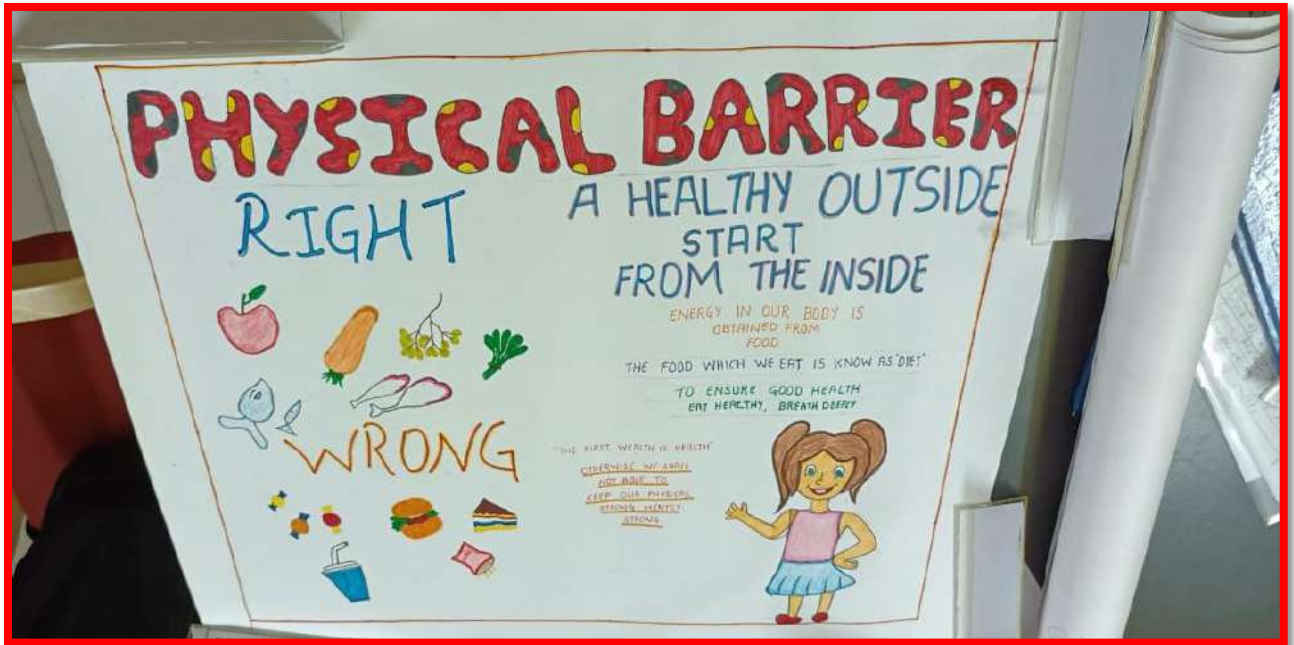
Pic no. 14-Group 2 - Health Related Barriers and Biological Barriers



Pic no. 15 & 16 - Result sharing by Group 02 & 03



Pic no. 17 (A) -Group 5 - Physical Barriers



Pic no. 17 (B) - Group 5 - Physical Barriers



Pic no. 18 - Result sharing by participants

SECOND DAY (15TH NOVEMBER, 2022)



Pic no. 19 - Result sharing by participants



Pic no. 20 - Result sharing by participants

The second day of the seminar started with the lecture **Ms. Susmita. R. Jyotsi, Regional Director, Sports Authority of India, Mumbai.** She started her lecture by the statement that, “It is adventures that I am a sports person”. Further she shared her personal experiences, and highlighted that if our muscles are active, then we are ready to compete. She urged for grooming the children for indulging in sports. The speaker talked about the various bio psycho social issues of sports women. Biological issues are physiological/ pathological conditions. Psychological issues she talked about is due to one thoughts, emotions and behaviours such as psychological fear, avoidance and beliefs. While social issues included socio-economical, socio-environmental, and cultural factors such as work issues, family circumstances, etc. She explained about the ways to overcome psychological barriers by our power of thought process. Ones behaviours and environment cause changes that affect the way your genes work.



Pic No. 21 - Ms. Sushmita R. Jyotsi sharing her deliberation

Dr. Arun Kumar,Anthropometrist, Sports Authority of India, Ministry of Youth Affairs and Sports Bhopal (M.P) told about the Policies Towards Socio-Economic Empowerment of Women in Sports. He said that the participation of women and girls in sports and in physical fitness activities have been recorded to have existed throughout history. Although participation of women in sports was very less and with time now women have come up to showcase their talent in the field of sports.However, participation rates and activities vary in accordance with nation, era, geography, and stage of economic development. that were considered as “feminine sport” and known as women’s sports events. He focused on challenges faced by women athletes and said that low pay scale and prize money, gender issues and negative effects of gender types and stereotypes are some major challenges faced by women players.



Pic No. -22 Dr. Arun Kumar sharing her deliberation

Dr. Shalini Menon, Assistant Professor, Department of Physical Education, GGU, Bilaspur, Chhattisgarh dealt with Gynecological considerations of sports women and described that Premenstrual syndrome (PMS) encompasses the most common issues, such as mild cramping and fatigue, but the symptoms usually go away when our period begins. Through data support that there are over 355 million menstruating women and girls in India, 28 yet millions of women across the country still face significant barriers to comfortable and dignified experience with menstrual health, Girls do not consistently have access to education on puberty and menstrual health.



Pic No. -23. Dr. Shalini Menon sharing her deliberation

Dr. Om ji Gupta ,Assistant Professor, Department of Physical Education, Sant Guru Ghasidas Govt. P.G. College, Kurud, Dhamtari (C.G) gave his presentation on Nutritional Data Management. He demonstrated how to compile large data on the spread sheet and develop the calculation tools. He explained in details about the compilation of data and ways of data management for further calculation and implementation of the results. He has worked on the nutritional aspects of sports women and he has developed calculation soft wares with the guidance of subject experts. He demonstrated how to utilize those software tools for managing large data and explained the ways of calculations and interpretation.He discussed about the huge participation disparities among the male and female sports persons.



Pic No. -24. Dr. Om Ji Gupta sharing her deliberation

Valedictory Session

Dignitaries present in the valedictory ceremony were Prof. Kesarilal Verma, Honorable Vice Chancellor, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, Dr. Sushmita R. Jyotsi, Regional Director, Sports Authority of India, Mumbai, Ms. Naina Singh, The first woman mountaineer from Chhattisgarh, Prof. Reeta Venugopal, Director, Center for Women's Studies and Prof. C.D. Agashe, HoD of SoS in Physical Education.

Prof. Kesari Lal Verma in his address said that Sports culture should be encouraged. Advantages of women participating in sports Participation of women in sports leads to not only their empowerment but also allows them to acquire individual competency, team & personality building and health improvement.



Pic no. 25. Honorable Vice Chancellor, Prof. Kesari Lal Verma addressing the participants

Special guest Ms. Naina Singh shared her success story of mountaineering with the participants. **Naina Singh has become the first woman mountaineer from Chhattisgarh to reach Mount Everest (8848.86 m).** Besides this extraordinary achievement, she has also conquered the Mount Lhotse (8516 m). On June 1st at 9 am, she made her name into the records

of history as she touched the world's highest peak – the Mount Everest. Throughout the expedition, Naina had shown immense grit and determination.

She has become a beacon of hope for youngsters of Chhattisgarh. A few days after this seminar Ms. Naina Singh was awarded the **TenzingNorgay National Adventure Award 2022**



Pic No. – 26. Naina Singh sharing her experience of mountaineering



A short video footage about Naina Singh was shown in the valedictory ceremony. The link of the video footage is- <https://youtu.be/AtmWy8fccRg> .At the end an interaction was also done with Naina Singh and the participants.

Prof Reeta Venugopal, in her concluding remarks said that is the future. She shared the key recommendations of the seminar and said that such seminars should be organized in future also.

Vote of thanks was given by Dr. Anuradha Chakraborty, Guest Faculty, Center for Woman Studies Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur.



Pic No. -27. Concluding remarks of the seminar by Prof.Reeta Venugopal



Pic No. -28. Feedback by Participants

CONCLUSION

Sport holds enormous capacity to propel gender equality and women and girls' empowerment. It mobilizes the global community and speaks to youth. It unites across national barriers and cultural differences. It is a powerful tool to convey important messages in a positive and celebratory environment – often to mass audiences.

Seminar participants acknowledged the biological issues of women in sports. The problems are varied as per rural and urban areas affecting level of sports participation. The participants also recognized barriers to participate in sports for women whereas women feel insecure and discriminated at various level. The sports promotional schemes were discussed in details which created awareness among the participants of the seminar.

Various schemes and policies have facilitated participation of women but more policies and programs in close collaboration of different stakeholders are needed to be framed. Adequate training facilities should be accessible for all in adequate number and place. Towards building awareness sensitization on various issues will improve participation. Promoting sports among women is a very promising field for creating gender equality in the society. Participation of women in sports will lead to not only their empowerment but also allow them to acquire individual competency, team & personality building and health improvement. This would lead to positive consequence for the family as well as the whole society.

नवभारत

छत्तीसगढ़ • ओडिशा

Rajdhani - 15 Nov 2022 - 15raj04



रविवि में दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

रायपुर। रविवि में महिला अध्ययन केंद्र और शारीरिक शिक्षा अध्ययनशाला द्वारा राष्ट्रीय महिला आयोग नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में जैव मनोवैज्ञानिक - सामाजिक मुद्दे खिलाड़ी महिलाओं पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। सोमवार को इसका उद्घाटन राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक ने किया। प्रो. रीता वेणुगोपाल, निदेशक, महिला अध्ययन केंद्र ने उद्घाटन भाषण दिया।

Online Safe Campus Program (make your campus gender just, safe conducive) in collaboration with Martha Farrell Foundation

6th December, 2022

CENTRE FOR WOMEN'S STUDIES
PT. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY, RAIPUR

IN COLLABORATION WITH
MARTHA FARRELL FOUNDATION

**ONLINE
SAFE CAMPUS PROGRAM**
make your campus gender just, safe conducive

Date - 6th December, 2022 Time - 3.00PM

Learn how to

- End campus sexual harassment
- Conduct gender safety assessment
- Implement POSH Act & UGC guidelines

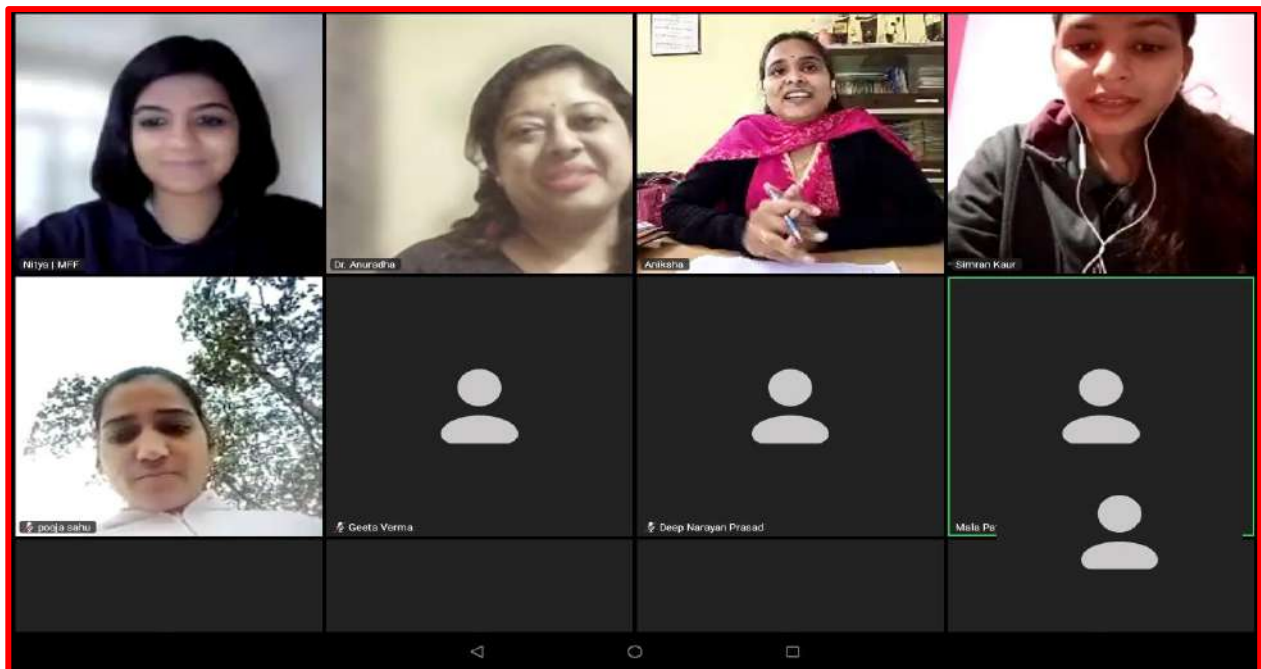
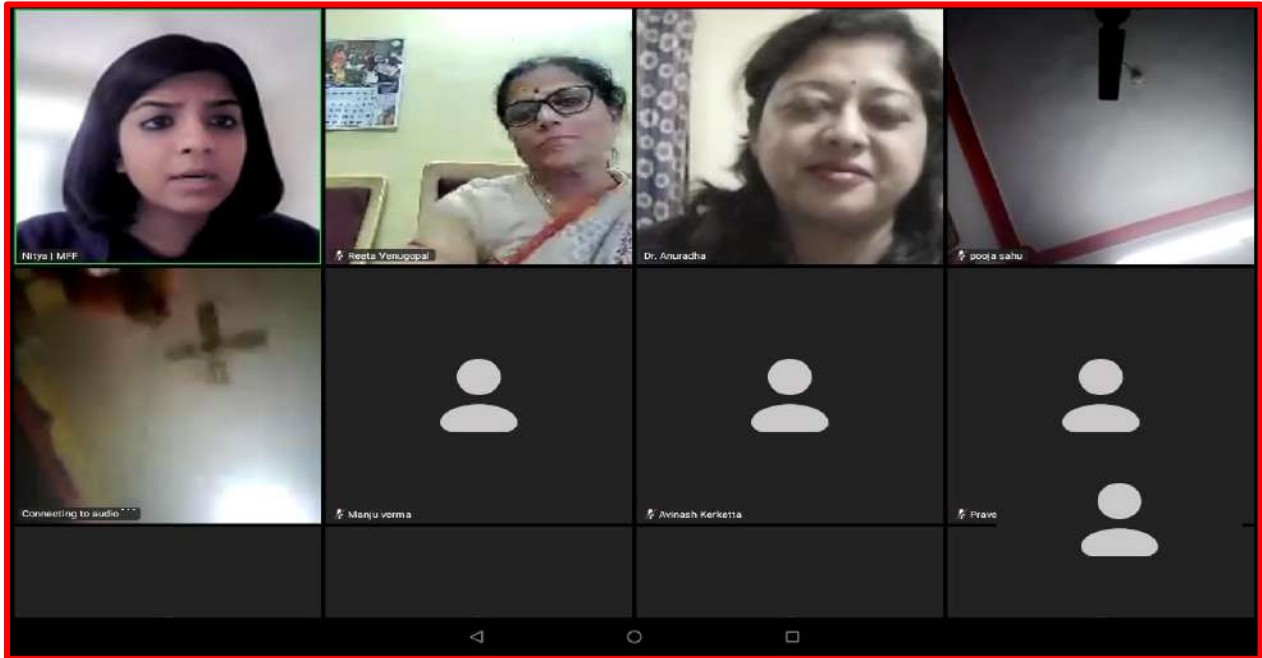
Join with Zoom Meet - <https://us06web.zoom.us/j/85049493714?pwd=Sjg4aGxSZWw3U1Btd3NkNGtrd0lnQT09>

Through a two hour session on ‘What makes a campus safe?’ Martha Farrell Foundation facilitated discussions with students, faculty and staff of PRSU, on appropriate and safe behaviours, consent and boundaries, and instituting a culture of safety on campus, in compliance with the Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013 and the UGC Regulations.

Key topics were covered:

- **Understanding sexual harassment, its forms and types**
- **Understanding consent, boundaries, appropriate and inappropriate workplace behaviours**
- **Legal mechanisms to file complaints of sexual harassment at workplace**
- **Introducing a simple technology tool for SOS, psychosocial and mental health support for survivors of sexual and gender-based violence**

Nitya Sriram was the resource person . She is a certified participatory trainer who leads partnerships at the Martha Farrell Foundation, and coordinates the Making Workplaces Safe Program. Nitya has a strong base in communications strategy and social media management. She has trained more than 2000 employees from the formal and informal sectors in India, including students, faculty and management of higher educational institutions, on the issue of sexual harassment in the workplace, and specialises in creating information and communication material on the issue.



One day programme on National Girl Child Day

24th January, 2023

The National Girl Child Day is celebrated in India every year on January 24. It was initiated in 2008 by the Ministry of Women and Child Development and the government of India, to spread public awareness about inequities that girls face in Indian society.

National girl child day was celebrated by Centre for Woman Studies, Pt. RSU by reaching out the young girls of slum area who are a part of "Masti ki Pathshala" , run by "Roti bank NGO" and by distributing books and other study material with the girls.



Two Days

"Self Defence Training Programme for Girls"

(As part of the International Women's Day Celebration)

28th February to 1st March, 2023

We read about women being victimized every day, whether on social media or on television. There are countless accounts of women who have experienced sexual assault, arbitrary attacks by strangers, and other forms of abuse. In the world of crime, learning self-defence is advised so that women can save herself from assaults of any kind as well as arbitrary assaults. Learning self-defence techniques should be at the top of every woman's list of priorities. Through self-defence course girls and women can learn how to physically defend herself and learn the necessary techniques to save herself. Keeping this in mind a two days self-defence training programme was organized by Center for woman studies from 28th February to 1st March, 2023.

Training for self-defence was given by Prof. Rajeev Choudhary, School of Studies in Physical Education, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur. He trained the female students about the various skills of throwing techniques, hand techniques, leg techniques, holding techniques and gripping techniques which are helpful for self-defence. He also taught some useful moves of Judo.

Ms. Manna was the second resource person of the training programme. She also trained the participants about the various skills of self-defence techniques.

Following are the newspaper coverage of the programme.

The poster is for a "Two Days Self Defense Training Programme for Girls" organized by the Centre for Women's Studies and the School of Studies in Physical Education at Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur. It is part of the International Women's Day Celebration and the Azadi Ka Amrit Mahotsav. The program runs from 28th February to 1st March, 2023, from 07:00 AM to 8:30 AM. The resource persons are Prof. Rajeev Choudhary, Professor SOE in Physical Education & Dean Students' Welfare, and Ms. Mana Mandlikar, Co-founder, Yinka Samajik Sanatha International Gold Medalist Karate Champion. The venue is the School of Studies in Physical Education, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur. The poster also features logos for the university and the Azadi Ka Amrit Mahotsav, along with illustrations of women practicing martial arts.





नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा

Rajdhani - 02 Mar 2023 - 02raj3
epaper.navabharat.news



रविवि में लड़कियों ने सीखी आत्मरक्षा की तकनीक

रायपुर। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय शारीरिक शिक्षा अध्ययनशाला एवं महिला अध्ययन केंद्र द्वारा दो दिवसीय आत्मरक्षा ट्रेनिंग शिविर आयोजित किया गया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में लड़कियों को आत्मरक्षा की तकनीक से अवगत कराया गया। इसके अलग-अलग सत्रों में प्रो. राजीव चौधरी, अधिष्ठाता छात्र कल्याण विभाग और श्रीमती माना मांडलेकर कराते विशेषज्ञ ने कलाई से पकड़ना और अन्य तकनीक से अवगत कराया।

पत्रिका इंटरव्यू: रायपुर पहुंची कराते चैंपियन मना मंडलेकर ने कहा...

घर और बाहर वालों से खूब लड़ी और बनी चैंपियन, अब वही देते हैं मिसाल

सेल्फ डिफेंस के लिए जागरूक होने के साथ आत्मविश्वास का होना जरूरी

पत्रिका plus रिपोर्टर

रायपुर. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय पहुंची इंटरनेशनल गोल्ड मेडलिस्ट कराते चैंपियन मना मंडलेकर ने फिजिकल एजुकेशन डिपार्टमेंट के स्टूडेंट्स को बताया कि खुद की रक्षा करने के लिए आपको अवेयर रहने के साथ ही अपने सेल्फ कॉन्फिडेंस को मजबूत रखना होगा। मंगलवार को मुम्बई स्टूडेंट्स को ट्रेनिंग देते समय मना ने महसूस किया कि यहां कि लड़कियां सेल्फ डिफेंस को लेकर उतनी अवेयर नहीं हैं उनका कॉन्फिडेंस भी कम है, लेकिन ट्रेनिंग के दौरान यह महसूस हुआ कि यदि उन्हें समय-समय पर ट्रेनिंग दी जाए तो वे खुद अपनी रक्षा कर सकते हैं। दो दिवसीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर के दौरान उन्हें कलाई मोड़कर छुड़ाने का तरीका बताया। कैसे बाल पकड़े हुए, कमर को पकड़े हुए हैं उसको छुड़ाने के लिए कई तरीके बताए।

जिंदा रहने के लिए भी परमिशन लेनी पड़ रही थी

मध्यप्रदेश के हरदा जिले के आलमपुर गांव की रहने वाली मना ने बताया कि जब वो 9 वीं



बदलनी होगी समाज की सोच

खेल के माध्यम से कैसे हम समाज में समानता ला सकते हैं। इसके लिए हमने 2017 में तिनका समाजिक संस्था की शुरुआत की। इसके जरिए हम लड़कियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देते हैं। अभी

तक 53 हजार 286 को ट्रेनिंग दे चुके हैं। हमारा सबसे ज्यादा फोकस गांव की लड़कियों को ट्रेड करना है। अपने गांव की 192 स्कूल और 15 जिलों में संस्था काम कर रही है।

बताया कराते और सेल्फ डिफेंस में अंतर

कराते एक गेम है जिसमें हर खिलाड़ी को चैंपियन बनना होता है। वहीं सेल्फ डिफेंस खुद को सेप्टी के लिए होता है। हम कराटे के जरिए भी खुद की सुरक्षा कर सकते हैं। लेकिन बहुत कम लोगों को यह पता होता है। अब जब मैं अलग-अलग राज्यों में ट्रेनिंग दे रही हूँ तो इसके बारे में उन्हें अवेयर कर रही हूँ।

कक्षा में थी उसी समय घर वाले उसकी शादी करने वाले थे। मना अपनी पहचान बनाना चाहती थी, लेकिन गांव वाले और घर वालों को यह मंजूर नहीं था। इसके लिए

मना को बहुत संघर्ष करना पड़ा। तब कहीं जाकर उसे दूसरे गांव में पढ़ने की अनुमति मिली। स्कूल पूरा करने के बाद जब कॉलेज में आई तो कराते सीखने लगी। उसी

समय से ठान लिया था कि लड़कियों को आत्मविश्वास बढ़ाना है। अब वो प्रदेश के 192 गांव के स्कूल और 15 जिलों में काम कर रही हैं।

कराते सीखने के बाद एक लड़के की जमकर धुनाई की

2013 में कॉलेज में दाखिला लिया तो कराते से परियच्य हुआ। रोजाना 15 किलोमीटर का सफर तय कर कॉलेज पहुंचना पड़ता था। इस दौरान कई बार छेड़छाड़ की घटनाएं भी हुईं। एक साल बाद जब कराते सीख गई तो छेड़छाड़ करने वाले लड़के की जमकर धुनाई की। तभी से कॉन्फिडेंट लेवल बढ़ गया। इसके बाद कभी पीठे मुड़कर नहीं देखा और इंटरनेशनल गोल्ड मेडलिस्ट कराते चैंपियनशिप का खिताब हासिल किया।

कार्यशाला का समापन

बालिकाओं ने सेल्फ डिफेंस की दाइची टेक्नीक जानी

02/03/2023



रायपुर @पत्रिका. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में सेल्फ डिफेंस की दो दिवसीय कार्यशाला का मंगलवार को समापन हुआ शारीरिक शिक्षा अध्ययनशाला एवं महिला अध्ययन केंद्र की ओर से आयोजित शिविर में बालिकाओं ने आत्मरक्षा के गुर सीखे। इंटरनेशनल कराते गोल्ड मेडलिस्ट मना मांडलेकर ने दाइची टेक्नीक , रिस्ट होल्डिंग आदि बताकर उनका अभ्यास कराया। बेक होल्डिंग टेक्नीक, डबल रिस्ट होल्डिंग के साथ व्यक्ति के शरीर के कमजोर भाग पहचान कर प्रहार करने पर जोर दिया। उन्होंने स्वयं की सुरक्षा व मजबूती का ख्याल रखने की बात कही। प्रोफेसर राजीव चौधरी ने सेल्फ डिफेंस के अलग-अलग स्टेप्स बताए। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. सी.डी. अगासे, प्रो. रीता वेणुगोपाल, आर. के. मिश्रा मौजूद रहे। कार्यशाला में स्कूल, कालेज एवं विश्वविद्यालय के 70 से अधिक महिला एवं छात्राएं शामिल हुए।

National Workshop
on
DigitALL: Innovation and Technology for Gender Equality”
(as part of the International Women’s Day celebration)

Date – 2nd March, 2023, (Thursday)

Time – 11.00 AM

On the occasion of International Women's Day, a one-day National Workshop on "DigitALL: Innovation and Technology for Gender Equality" was organized on March 02, 2023, by the Center for Women's Studies, Pt.Ravishankar Shukla University,Raipur. Connecting and educating women online about technological advancements is crucial for highlighting digital innovations and closing the gender gap. Digitization, which is the primary focus of digital literacy, is the most essential skill required for the empowerment of women creating opportunities in academics, financial markets, and entrepreneurship for women. The programme opened various avenues of enhancing the digital skills and technological innovations of digitalization.

Inaugural Session-

The program was inaugurated at 11.00 and it started with the lighting of lamp before Goddess Saraswati .It was followed by the Kulgeet of Pt. Ravishankar Shukla University, after which the guests were welcomed by presenting them small plants. Around 150 students registered for the workshop.

Welcome address was delivered by Prof.Reeta Venugopal, Director , Centre for Women's Studies,Pt. Ravishankar Shukla University.She emphasized that skill development and digital awareness plays a crucial role in the overall development of any society besides positively impacting the daily lives of women and creates a wide range of opportunities for women.She talked about the contributions of women in the various fields like sports, academics and business. She also highlighted about the representation of women in all the departments on our university creating a impact and positive note for the society and future generations.

Ms. Sonali Jha, CEO and Founder,CunomialTechnologies,Bangalore was the key note speaker . She talked about her mission to empower women in tech and provide them with economic access. She said that the Women in Cloud Initiative is a community-led economic

development organization that helps to generate new global economic access for women entrepreneurs by 2030 through partnerships with corporations, community leaders, and policy makers. The Women in Cloud Initiative is led in collaboration with industry and community partners such as Microsoft, M12 - Microsoft's Venture Capital Fund, Accenture, Hitachi Solutions, Insight, Boeing, Meylah, and more.

This was followed by the address by Ms. Heena Animesh Netam, Joint Secretary of Higher Education, Chhattisgarh. She talked about the role of education and skill development for women empowerment.

Prof. Shail Sharma, Head, SoS in literature & Languages and Dean of Arts faculty was the chairperson of the inaugural ceremony. In her address she encouraged the students to come forward and enhance their skills and prepare themselves to become valuable contributors of the society. She encouraged women to empower themselves through education.

Women's Day is the day to acknowledge the achievements of the women champions of various fields. In this regard, women achievers of all the departments of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur in the field of academics, sports, cultural were facilitated. The token of appreciation was sponsored by Srijansheel Vidushi Maliha Bahuudeshiya Sahkari Samity. 18 female students were facilitated for their excellence in the field of academics, 2 for sports, 3 for cultural activities and 1 for social work. 2 members of Srijansheel Vidushi Maliha Bahuudeshiya Sahkari Samity were felicitated for their social work. Ms. Anita Toppo Senior Assistant Programmer, SoS in Computer Science was facilitated for her contributions for imparting digital training and computer education as "Digital Woman".

Dr. Shailendra Kumar Patel, Registrar, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur addressed the house and congratulated all the women achievers for their remarkable contributions. He extended his support and cooperation as the administrative head of the university to all the deserving women students of the university. He said that it's a matter of pride that many departments of the university have female professors holding the post of Head of the department. He acknowledged and appreciated the various women-centric work done by Centre for Women's studies over the years. With this inaugural session came to an end which was followed by four technical sessions.

Technical Session

In the first technical session Ms. Sonali Jha, CEO & Founder, Cunomial Technologies, Bangalore, talked on Growth strategies with entrepreneurship pertaining 'Exceptional performance'. She emphasized that the focus on gender equity needs to be part of every society's DNA, and the aim of the campaign is to get the world talking about "Why equal opportunities aren't enough.". She further said that growing inequalities are becoming increasingly evident in the context of digital skills and access to technologies, with women being left behind as the result of this digital gender divide. The need for inclusive and transformative technology and digital education is therefore crucial for a sustainable future and is needed to harness the potential of technology and innovation to accelerate progress on the 2030 Agenda and the sustainable development goals.

In the second technical session Ms. Sonali Guha ,Cyber Forensic Expert ,Managing Director Technoking Group, Chhattisgarh& Mr. Ayush Guha ,Cyber Forensic Expert & Ethical hacker Chhattisgarh gave their presentation on “Awareness about Cyber Security and Ethical Hacking”. They explained the ways to to increase the cybersecurity and keep your information safe.They suggested that cyber security could be achieved by choosing our passwords wisely, by the use multi-factor authentication, one should know how to identify a phishing attack,updatingthe software regularly is equally important and one should stay aware of threats. They shared the help line systems to report the cyber crime. They suggested measures to avoid getting hacked while using social media platforms.

In the third technical sessionMrs. SrilataDhawala, Promoter Director Dhavala Group, Chhattisgarh talked about “Women Entrepreneurship and steps for starting business, entire e-commerce sites, and about business managing technology". She shared her story of becoming an successful entrepreneur .She taught the basics of entrepreneurship and suggested ways for start ups.In the fourth sessionMrs. SrilataDhawala, and Ms. Sunita talked about “Training & support for Women Entrepreneurship &Startup”.

Prof. Aditi Niyogi Poddar gave the concluding remarks of the technical sessions at the end. In all the event was a big success.





पत्रिका

विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करने वाली छात्राओं का सम्मान



रायपुर @पत्रिका. रविवि में डिजिटल : लैंगिक समानता के लिए नवाचार और प्रौद्योगिकी विषय पर कार्यशाला का आयोजन हुआ। महिला अध्ययन केंद्र की प्रो. रीता वेणुगोपाल ने उदाहरणों से यह बताया कि आज प्रत्येक क्षेत्र में महिलाएं अपनी विशेषज्ञता से आगे आ रही हैं, उन्होंने न केवल महिलाओं की बात कही

बल्कि समाज के उत्थान के लिए लिंगभेद को छोड़ महिला और पुरुष की समानता पर जोर दिया। कार्यक्रम में खेल, संस्कृति और शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 24 छात्राओं को सम्मानित किया गया। कम्प्यूटर शिक्षा में योगदान देने वाले को डिजिटल वुमन के रूप में सम्मानित किया गया।



INSTITUTE OF RENEWABLE ENERGY TECHNOLOGY & MANAGEMENT

PT. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY

G.E. ROAD, AMANAKA, RAIPUR (C.G.)

Recognized by UGC, AICTE & Skill Council for Green Jobs

Website: www.prsu.ac.in

E-Mail ID: renewable.prsu@gmail.com

LIST OF EXTENSION ACTIVITIES

Name of the activity	Organising unit/ agency/ collaborating agency	Name of the scheme	Year of the activity	Number of students participated in such activities
Energy Literacy Training Program	Energy Swaraj Foundation, Mumbai	ELT	2022	80
Awareness Program on Efficient Utilization of Plastics	CIPET Raipur	Awareness Program	2023	65

ENERGY LITERACY TRAINING PROGRAM

आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, इलेक्ट्रानिक्स एवं फोटोनिक्स अध्ययनशाला, क्रेडा, रायपुर तथा एनर्जी स्वराज फाउंडेशन मुंबई के संयुक्त तत्वाधान में आज दिनांक 26/11/2022 को एक दिवसीय Energy Literacy Training कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन से किया गया जिसके पश्चात मुख्य अतिथियों का स्वागत एवं संबोधन विभागाध्यक्ष इलेक्ट्रानिक्स एवं फोटोनिक्स तथा समन्वयक, अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान रायपुर, डॉ. कविता ठाकुर के द्वारा किया गया उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में समस्त विद्यार्थियों एवं विभाग के शिक्षकों को अवगत कराया।

जिसके पश्चात कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री संजीव जैन, मुख्य अभियंता, क्रेडा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सौर ऊर्जा को अपने दैनिक जीवन में उपयोग करने के लिए प्रेरित किया और उसके फायदों के बारे में विद्यार्थियों को बताया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. केशरी लाल वर्मा, कुलपति पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर ने विशिष्ट अतिथि श्री संजीव जैन को इस कार्यक्रम के द्वारा विद्यार्थियों को Energy Literate बनाने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्य को देखते हुए इसे विश्वविद्यालय के अंतर्गत 151 महाविद्यालयों में आयोजित करने का विचार व्यक्त किया जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग जागरूक हो सकें और अक्षय ऊर्जा का उपयोग दैनिक जीवन में कर सकें।



INSTITUTE OF RENEWABLE ENERGY TECHNOLOGY & MANAGEMENT

PT. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY

G.E. ROAD, AMANAKA, RAIPUR (C.G.)

Recognized by UGC, AICTE & Skill Council for Green Jobs

Website: www.prsu.ac.in

E-Mail ID: renewable.prsu@gmail.com

इसके पश्चात श्री संजीव जैन ने कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए डॉ.चेतन सिंह सोलंकी, प्रोफेसर आई आई टी मुंबई जिन्हे सोलर मेन ऑफ इंडिया भी कहा जाता है, के Energy Literacy Training के 12 modules द्वारा प्रतिभागियों को Energy Literate किया गया, जिसका उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति के ऊर्जा खपत के बारे में बताना एवं ऊर्जा संरक्षण कैसे किया जाए उन साधनों के बारे में अवगत कराना था। साथ ही साथ उन्होंने ऊर्जा संरक्षण एवं अक्षय ऊर्जा उत्पादन तथा कार्बन उत्सर्जन को कम करने में क्रेडा की सहभागिता के बारे में बताया।

उदघाटन सत्र की उद्घोषिका डॉ बसुमती नाडिग थी, इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग की शिक्षिका आयुषी सोनी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। ट्रेनिंग सत्र के अंत में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययनशालाओं से करीब ७० से अधिक छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया। ट्रेनिंग सत्र के समापन पर अक्षय ऊर्जा विभाग के गजेंद्र सिंह राठौर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। उक्त कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के सुनंदन मंडल, सोनू कुमार सिंह, शालिनी वर्मा तथा अक्षय ऊर्जा विभाग के अंकुर श्रीवास्तव, कुसुम सोनकर एवं लतिका सिंह सहित दोनों अध्ययनशालाओं के समस्त विद्यार्थी मौजूद थे।

Pictures of the Event:





INSTITUTE OF RENEWABLE ENERGY TECHNOLOGY & MANAGEMENT

PT. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY

G.E. ROAD, AMANAKA, RAIPUR (C.G.)

Recognized by UGC, AICTE & Skill Council for Green Jobs

Website: www.prsu.ac.in

E-Mail ID: renewable.prsu@gmail.com





INSTITUTE OF RENEWABLE ENERGY TECHNOLOGY & MANAGEMENT

PT. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY

G.E. ROAD, AMANAKA, RAIPUR (C.G.)

Recognized by UGC, AICTE & Skill Council for Green Jobs

Website: www.prsu.ac.in

E-Mail ID: renewable.prsu@gmail.com



150 कॉलेज में होगी एनर्जी लिटरेसी ट्रेनिंग

रायपुर @ पत्रिका . आजादी के अमृत महोत्सव पर में रविवार को एक दिवसीय एनर्जी लिटरेसी ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं फोटोनिक्स अध्ययनशाला, क्रेडा, रायपुर और एनर्जी स्वराज फाउंडेशन मुंबई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम के चीफ गेस्ट कुलपति केएल वर्मा थे। उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्य को देखते हुए इसे विवि के अंतर्गत 151 महाविद्यालयों में आयोजित करने का विचार व्यक्त किया जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग जागरूक होकर अक्षय ऊर्जा का उपयोग दैनिक जीवन में कर सकें। विशिष्ट अतिथि अभियंता क्रेडा के चीफ इंजीनियर संजीव जैन मुख्य ने सौर ऊर्जा को अपने दैनिक जीवन में उपयोग करने के लिए प्रेरित किया और उसके फायदे गिनाए। सोलरमैन ऑफ इंडिया के टाइटल से चर्चित आईआईटी मुंबई के प्रोफेसर चेतन सिंह सोलंकी ने एनर्जी लिटरेसी ट्रेनिंग के 12 मॉड्यूल ऊर्जा की जानकारी दी। इसमें प्रति व्यक्ति ऊर्जा खपत, ऊर्जा संरक्षण के साधनों के बारे में बताया गया।

Patrika 27.11.2022



INSTITUTE OF RENEWABLE ENERGY TECHNOLOGY & MANAGEMENT

PT. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY

G.E. ROAD, AMANAKA, RAIPUR (C.G.)

Recognized by UGC, AICTE & Skill Council for Green Jobs

Website: www.prsu.ac.in

E-Mail ID: renewable.prsu@gmail.com

AWARENESS PROGRAMME ON EFFICIENT UTILIZATION OF PLASTICS

The adverse impacts of littered single use plastic items plastic on both terrestrial and aquatic ecosystems, including in marine environment are globally recognized. Addressing pollution due to single use plastic items has become an important environmental challenge confronting all countries but at the same time Plastic has become a constant element in our lives. Its omnipresence is such that many would find the mere fact of giving it up a difficult task. Reducing the consumption of plastics therefore requires not only a change in habits, but also a change of mindset and hence in the context Institute of Renewable Energy Technology & Management, Pt. Ravishankar shukla has organized awareness programme for efficient usage of Plastics in association with CIPET, Raipur on 08th April 2023.

Dr. Aparna Yadu & Dr. Rajshree Vijayvargiya lead the session and described about how recycling of plastics can help us develop new product. Plastic has huge contribution in Building construction material and also a proven technology in Road construction.

Giving a brief about Plastics, Dr. Vijayvargiya informed us that, Now Government has made it mandatory for all road developers in the country to use waste plastic, along with bituminous mixes, for road construction. This is to help overcome the growing problem of plastic waste disposal in India. The technology for this was developed by the 'Plastic Man' of India, Prof Rajagopalan Vasudevan, Professor of Chemistry at Thiagarajar College of Engineering, Madurai. Dr. Yadu focused on the Industrial and academic facilities available at CIPET, Raipur.





INSTITUTE OF RENEWABLE ENERGY TECHNOLOGY & MANAGEMENT

PT. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY

G.E. ROAD, AMANAKA, RAIPUR (C.G.)

Recognized by UGC, AICTE & Skill Council for Green Jobs

Website: www.prsu.ac.in

E-Mail ID: renewable.prsu@gmail.com

Addressing to students Prof. Kavita Thakur said, “Plastic has slowly become an integral part of all human requirements. Plastic carry bags, packaging material, bottles, cups, and various other items have slowly replaced everything made of other material due to the advantages of plastic. Plastic is durable, easy to produce, lightweight, unbreakable, odourless, and chemical resistant but at the same time plastic does not decompose. This is its biggest drawback.”



Public Outreach Lecture

Page: _____
Date 23/01/23

A Public Outreach Lecture was organized in SOS in Statistics, Pt. Ravishankar Shukla University Raipur today i.e. 23/01/2023 at 2:30 pm. There was two lectures, first lecture was given by Prof. Satyendra Kumar Upadhyay, Department of Statistics, B.H.U., Varanasi and second lecture was given by Prof. Suresh Kumar Sharma, Punjab University, Chandigarh. Today in public outreach lecture Prof. Sanjay Kumar, Prof. B. S. Thakur, Prof. Rajeev Chaudhary, Prof. Meeta Jha, and Prof. B. L. Sonelkar sir were present. During first lecture Prof. S.K. Upadhyay sir has share informations based on why statistics, Past, Present and future of statistics and, then another useful lecture topic data science and machine learning. In second lecture Prof. Suresh Kumar Sharma sir has present his lecture on categorical data analysis. Following Students and Research scholar were present:

Name	Signature
Dr. Pradip Kumar Choudhary	
Dr. B. S. Thakur	
Dr. B. L. Sonelkar	
Dr. Rajeev Chaudhary	 23/01/2023
Dr. Sanjay Kumar	 23-01-2023
Dr. Meeta Jha	
Pappu Nishad	
Shubhangi Thakur	
AKANSHA PANDEY	
Reena Sonkar	
Yeasha Verma	
Shubshil Sahu	
Suhani Pandey	
Nisha Sahu	

Taru Soni
Geetu Yadav
Znena Shrivastava

Shubha Patel
Madhuri Sonwari

Mohammed Fajez Haidry
Unnati Sahu

Poakash Yadu
RAJ PATEL

R. Rahul

Anju Tirkey

Ramesh Raj Dhanu

Krishna Kumar

Bhupendra Kumar

Rahul Verma

Hemlata Sahu

Dushyant Sahu

Prof. S.K. Upadhyay

Prof. S.K. Sharma

Dr. Vyas Dushy

Prof. K.K. Ghosh

Pratibha Sahu

Pooja Janghel

Harish Kumar

Kalpna Sahu

T.Soni

Lyadav.

Sreny

Shubha Patel

Madhuri

Mo. Fajez Haidry.

Ami

Poakash

Raj Patel

Rahul

@Anju.

Bikash

Krishna

Rahul

Hemlata Sahu

Sahu

S.K.

S.K.

Vyas

Prof.

Pratibha Sahu

Janghel

Banaj

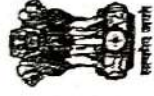
Kalpna Sahu

SoS in Literature and Languages

3.6.4 Extension Activities

2022-23

No. - 07



Ministry of Youth Affairs And Sports
Government of India



NATIONAL SERVICE SCHEME

UTD Unit 1 & Unit 2

Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.)

SEVEN DAYS SPECIAL CAMP - 2023

Certificate

This is to certify that Mr/Ms.....*Ajay Prasad Patel*..... is a student of
Class *M.A. in English*.....S.O.S. in *Literature & Language* has been successfully
participated in 7 days Special Camp of University Teaching Department National
Service Scheme at Village- Atari, Raipur. From Date 16 January 2023 to 22 January

We wish for his/her bright future.

Dr. Kamlesh Kumar Shukla
Program Officer
UTD-NSS, Unit - 1

Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur

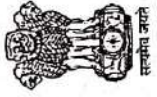
Dr. Bahso Nuruti
Program Officer
UTD-NSS, Unit - 2

Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur

Prof. Keshari Lal Verma
Vice-Chancellor

Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur





Ministry of Youth Affairs And Sports
Government of India



NATIONAL SERVICE SCHEME

UTD Unit 1 & Unit 2


Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.)


SEVEN DAYS SPECIAL CAMP - 2023

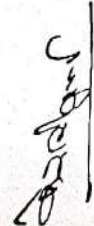
Certificate

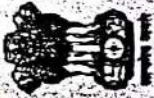
This is to certify that Mr/Ms. *Varbhax..Dahu*.....is a student of
Class .M:A.-II.Sem.(English)S.O.S. in *Kanugali B. literature* has been successfully
participated in 7 days Special Camp of University Teaching Department National
Service Scheme at Village- Atari, Raipur. From Date 16 January 2023 to 22 January

We wish for his/her bright future.


Dr. Kamlesh Kumar Shukla
Program Officer
UTD-NSS, Unit - 1
Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur


Dr. Banso Nuruti
Program Officer
UTD-NSS, Unit - 2
Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur


Prof. Keshari Lal Verma
Vice-Chancellor
Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur



Ministry of Youth Affairs And Sports
Government of India



NATIONAL SERVICE SCHEME

UTD Unit 1 & Unit 2

Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.)



Certificate

This is to certify that Mr/Ms. *Madhava Babu* is a student of
Class *M.A. in English* S.O. *S. in Literature & Languages* has been successfully
participated in 7 days Special Camp of Teaching Department National
Service Scheme at Village- Atari Raipur From Date 16 January 2023 to 22 January

We wish for his/her bright future.

[Signature]

Dr. Kamesh Kumar Shukla
Program Officer
UTD-NSS, Unit - 1

Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur

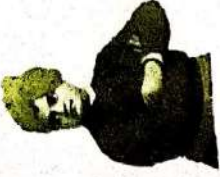
[Signature]

Prof. Keshari Lal Verma
Vice-Chancellor

Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur



Ministry of Youth Affairs And Sports
Government of India



NATIONAL SERVICE SCHEME

UTD Unit 1 & Unit 2

Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.)

SEVEN DAYS SPECIAL CAMP - 2023

Certificate

This is to certify that Mr/Ms.....*Mamusha...Vishma*.....is a student of
Class *M.A.in...English.....S.O.S. in languages literature..* has been successfully
participated in 7 days Special Camp of University Teaching Department National
Service Scheme at Village- Atari, Raipur. From Date 16 January 2023 to 22 January

We wish for his/her bright future.

Dr. Kamlesh Kumar Shukla
Program Officer
UTD-NSS, Unit - 1

Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur

Dr. Banso Nuruti
Program Officer
UTD-NSS, Unit - 2

Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur

Prof. Keshari Lal Verma
Vice-Chancellor

Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur





75
आज़ादी का
अमृत महोत्सव



**विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केन्द्र एवं राष्ट्रीय सेवा योजना
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित**

स्वास्थ्य शिविर

दिनांक : 15 मई 2023, सोमवार

समय : सुबह 9:30 से शाम 4 बजे तक

स्थान : विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केन्द्र

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

नोट : 35+ आयु वर्ग के लिए





15 May 2023 12:41:53
21°14'34.09552"N 81°35'37.23184"E

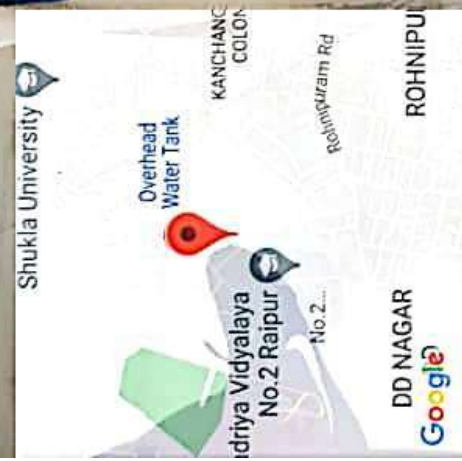
349° N

Raipur, Raipur Division 492010

India

Altitude: 190.3m

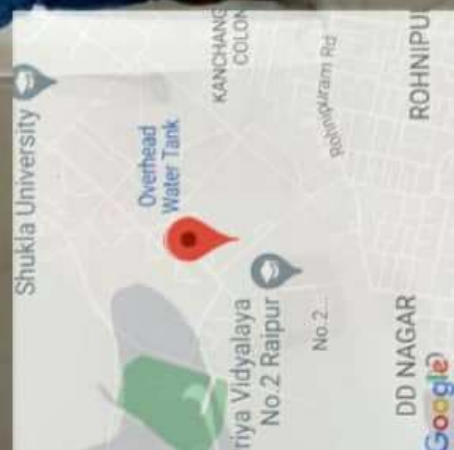
Index number: 9







15 May 2023 12:41:39
21°14'34.09505"N 81°35'37.23598"E
353° N
Raipur, Raipur Division 492010
India
Altitude: 191.4m
Index number: 8



3-6'3

आजादी का अमृत महोत्सव

इतिहास अध्ययन शाला

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर (छ.ग)

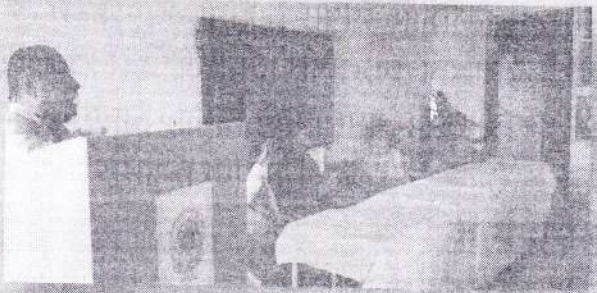
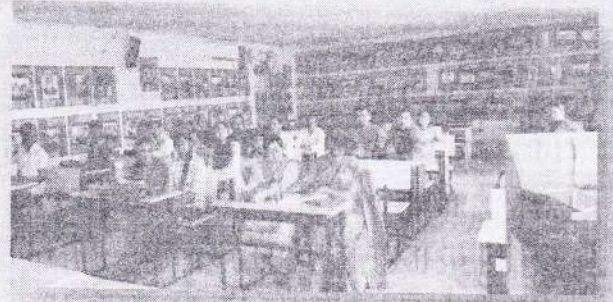
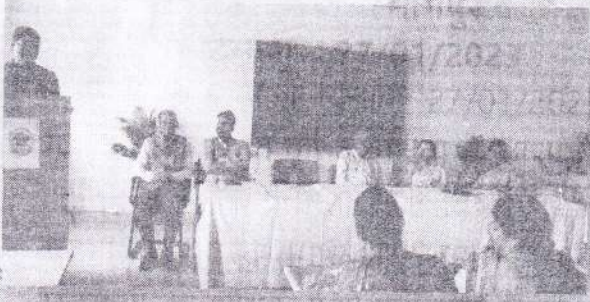
कार्यक्रम - विशेष व्याख्यान

1. प्रो. ए. के. पटनायक, पूर्व विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग, उत्कल वि. वि. भुवनेश्वर
2. प्रो. एस. आई. कोरेटी, विभागाध्यक्ष, राष्ट्र संत टुकडुजी वि.वि., नागपुर

दिनांक - 27/01/2023

आज दिनांक 27/01/2023 को इतिहास अध्ययनशाला में विभागाध्यक्ष प्रो. प्रियंवदा श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत एक विशेष व्याख्यान "इतिहास में वस्तुनिष्ठता" इस विषय पर आयोजित किया गया। इस व्याख्यान में प्रो. ए. के. पटनायक, पूर्व विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग, उत्कल वि. वि. भुवनेश्वर द्वारा वस्तुनिष्ठता के विभिन्न पहलुओं को शोधकर्ताओं एवं छात्रों के समक्ष रखा गया। व्याख्यान की अगली कड़ी में प्रो. एस. आई. कोरेटी, विभागाध्यक्ष, राष्ट्र संत टुकडुजी वि.वि., नागपुर द्वारा आदिवासी समस्याओं, परंपरागत ज्ञान एवं राष्ट्रीय आंदोलन में उनकी सहभागिता को सभी के समक्ष रखा। कार्यक्रम के अंत में प्रो. प्रियंवदा श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग द्वारा कार्यक्रम में आये अथितियों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया और भविष्य में इसी प्रकार के सहयोग की अपेक्षा के साथ कार्यक्रम की समाप्ति की गई।

कार्यक्रम से सम्बन्धित कुछ फोटो



आजादी का अनूत महोत्सव

इतिहास अध्ययन शाला

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर (छ.ग)

अवसर- अबुल कलाम आजाद जयंती एवं इतिहास परिषद गठन

दिनांक - 11 नवंबर 2022

कार्यक्रम - 1. विशेष व्याख्यान (डॉ. के.के. अग्रवाल, सेवानिवृत्त प्राध्यापक)

2. इतिहास परिषद के पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण

3. गांधी जयंती पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को

पुरस्कार वितरण।

आज दिनांक 11 नवंबर 2022 इतिहास अध्ययन शाला, पंडित रविशंकर शुक्ल वि. विद्यालय रायपुर छत्तीसगढ़ में मौलाना अबुल कलाम आज़ाद जी के 134 वीं जन्म जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय शिक्षा और मौलाना अबुल कलाम आज़ाद विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. के. के. अग्रवाल उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ इतिहास परिषद एवं सेवा निवृत्त प्रध्यापक, एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो प्रियंवदा श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष इतिहास विभाग द्वारा की गयी।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. के.के. अग्रवाल द्वारा मौलाना अबुल कलाम आजाद के जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं, भारत की स्वतंत्रता में उनके योगदान का उल्लेख किया गया। आपने अबुल कलाम आजाद द्वारा भारतीय शिक्षा के विकास एवं विस्तार के लिये किये गये कार्यों को अत्यंत सहज एवं सरल भाषा में शोधार्थियों एवं छात्रों को अवगत कराया। अबुल कलाम आजाद द्वारा हिन्दू मुस्लिम एकता के लिए किये गये प्रयासों एवं राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण को सभी के समक्ष रखा। अंत में आपने विद्यार्थियों से यह अनुरोध किया कि वे भी अबुल कलाम आजाद के बताये हुए मार्ग का अनुसरण अपने विद्यार्थी जीवन में करें, यही उनके प्रति आपकी सच्ची श्रद्धांजलि होगी यह कह कर मुख्य अतिथि डॉ. के.के. अग्रवाल द्वारा अपना उदबोधन समाप्त किया गया।

मुख्य अतिथि के उदबोधन के पश्चात कार्यक्रम की अध्यक्ष प्रो. प्रियंवदा श्रीवास्तव द्वारा अपना व्याख्यान दिया गया। आपने शिक्षा और शिक्षक दोनों की विद्यार्थी जीवन में उपयोगिता से विद्यार्थियों को अवगत कराया। आपने वर्तमान समय में जारी नयी शिक्षा नीति को विद्यार्थियों के समक्ष रखा तथा बुनियादी शिक्षा के महत्व को समझाया।

इसके पश्चात डॉ. डी.एन. खुटे, सहायक प्राध्यापक, इतिहास विभाग द्वारा अपना व्याख्यान दिया गया। आपने अबुल कलाम आजाद के जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं एवं कलाम साहब के जीवन के संघर्षों से प्रेरणा प्राप्त करने विद्यार्थियों को प्रेरित किया गया। अबुल कलाम आजाद द्वारा शिक्षा के विकास एवं विभिन्न शिक्षा संस्थानों की नींव रखने किये गये प्रयासों का उल्लेख अपने व्यक्तव्य में किया गया।

अबुल कलाम आजाद जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित परिचर्चा की समाप्ति के पश्चात इतिहास परिषद के पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण का कार्यक्रम कराया गया। यह शपथ ग्रहण कार्यक्रम डॉ. के.के. अग्रवाल, डॉ. डी. एन. खुटे, डॉ. बंशो नुरूटी, डॉ. सीमा पाल, डॉ. उदय अढ़ाऊ, शोधार्थी एवं छात्रों की उपस्थिति में सम्पन्न कराया गया। जिसमें प्रो. प्रियंवदा श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग द्वारा सभी पदाधिकारियों (प्रगति कोसले - अध्यक्ष, रूपेंद्र धृतलहरे- उपाध्यक्ष, हितेन्द्र मरकाम- सचिव, निकिता भोई- सहसचिव, मितेश यादव- कोषाध्यक्ष) को क्रमानुसार अपने पद की शपथ दिलायी गयी।

इसके पश्चात गत माह आयोजित महात्मा गांधी जयंती एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन इतिहास विभाग द्वारा किया गया था। जिसके विजेता प्रतिभागी निम्नलिखित थे-

- ◆ भाषण प्रतियोगिता में प्रगति कोसले, पायल भगत एवं कुंदन ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- ◆ पोस्टर प्रतियोगिता में निकिता भोई एवं वंश ने प्रथम स्थान (सम्मिलित), रूपाली वर्मा एवं रूपेंद्र ने द्वितीय स्थान (सम्मिलित) एवं जयश्री वर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- ◆ कविता प्रतियोगिता में पूजा साहू एवं चंद्रकला ने क्रमशः प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- ◆ गीत प्रतियोगिता में निकिता भोई ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इन सभी विजेता प्रतिभागियों को डॉ. के.के. अग्रवाल, प्रो. प्रियंवदा श्रीवास्तव, डॉ. डी.एन.खुटे, डॉ. बंशो नुरूटी, डॉ. सीमा पाल, डॉ. उदय अढ़ाऊ द्वारा प्रमाणपत्र एवं पुरस्कार वितरित किया गया।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. बंशो नुरूटी, सहायक प्राध्यापक, इतिहास विभाग द्वारा अबुल कलाम आजाद जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित परिचर्चा हेतु आमंत्रित मुख्य अतिथि डॉ. के. के. अग्रवाल उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ इतिहास परिषद एवं सेवा निवृत्त प्रध्यापक का धन्यवाद ज्ञापित किया गया एवं कार्यक्रम के समाप्ति की घोषणा की गयी।

इतिहास अध्ययनशाला

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर

कार्यक्रम- "राष्ट्रीय आंदोलन की विभिन्न धाराएँ- सुभाषचंद्र बोस और आजाद हिंद फौज के विशेष संदर्भ में"

इतिहास अध्ययनशाला पं० रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के द्वारा दिनांक 17.13.2023 से 19.03.2023 तक "राष्ट्रीय आंदोलन की विभिन्न धाराएँ- सुभाषचंद्र बोस और आजाद हिंद फौज के विशेष संदर्भ में" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रो सुदीप बसु सर्वाधिकारी विभागाध्यक्ष इतिहास विभाग विश्वभारती विश्वविद्यालय कोलकता एवं मुख्य वक्ता प्रो. मुकेश कुमार विभागाध्यक्ष इतिहास विभाग मगध विश्वविद्यालय बोधगया (बिहार) व कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो के एल वर्मा कुलपति जी इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए साथ ही इस कार्यक्रम में 10 रिसोर्स पर्सन भाग लिए और कार्यक्रम के समापन समारोह में मुख्य अतिथि डॉ० ओमजी उपाध्याय, संचालक शोध एवं प्रशासन आई. सी. एच. आर. नई दिल्ली थे मुख्य वक्ता के रूप में प्रो एच. के पटेल विभागाध्यक्ष इतिहास विभाग कुरु घासीदास केनिष्ठ विश्वविद्यालय कोलकता एवं विशेष वक्ता प्रो व प्रवीण मिश्र थे। इस संगोष्ठ में revisiting History (Essays in honour of Prof. Abha Rupendra Pal) पुस्तक का विमोचन किया गया कार्यक्रम के अंतिम दिवस पर डॉ० पियंवदा श्रीवास्तव द्वारा स्वागत भाषण व कार्यक्रम के संयोजक डॉ० डी. एन खुंटे एवं आयोजक सचिव डॉ० बन्शो नुरुटी व डॉ० सीमा पाल एवं डॉ० उदय अड्ड द्वारा कार्य एवं अन्य प्रतिभागी एवं रिसोर्स पर्सन उपस्थित थे।



// प्रतिवेदन //

दिनांक 05.09.2022 दिन सोमवार

दिनांक 05.09.2022 दिन सोमवार को इतिहास अध्ययनशाला, पं० रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में शिक्षक दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमें मुख्य अतिथि प्रो० आर० एन० मिश्रा (पूर्व विभागाध्यक्ष इतिहास अध्ययनशाला, पं० रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर (छ०ग०) को आमंत्रित किया गया था शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रो. मिश्रा ने शिक्षक दिवस के महत्व को बताते हुए अपना व्याख्यान दिया गया तथा डॉ० प्रियाम्वदा श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष, इतिहास अध्ययनशाला, पं० रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर को राष्ट्र निर्माण के आधार बताते हुए अभिभाषण दिया गया तथा डॉ. बन्शो नुरुटी ने भी देश की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फूल के जीवन पर अपनी व्याख्यान प्रस्तुत किया एवं डॉ. डी. एन. खुटे ने इस अवसर पर प्रथम उपराष्ट्रपति डॉ० सर्वोपल्ली राधाकृष्णन के ऐतिहासिक पहलुओं पर प्रकाश डाला साथ ही एम.ए. के छात्रा-छात्राओं ने इस कार्यक्रम में भाषण कविता गीत प्रतियोगिता के भाग लिया गया।

पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर

इतिहास अध्ययनशाला

विषय -- "एकता दिवस"

अवसर- पूर्व प्रधान मंत्री स्व. श्रीमती इंदिरा गाँधी की पुण्य तिथि एवं लौह पुरुष स्व. श्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की जन्म तिथि

दिनांक 31.10.2022

दिनांक 31.10.2022 को इतिहास अध्ययनशाला, पं० रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में विभागाध्यक्ष के अध्यक्षता में पूर्व प्रधान मंत्री स्व. श्रीमती इंदिरा गाँधी की पुण्य तिथि एवं लौह पुरुष स्व. श्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की जन्म तिथि के उपलक्ष्य में " एकता दिवस" मनाया गया।

इस अवसर पर सरदार पटेल एवं इंदिरा गाँधी जी की जीवन से संबंधित विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस परिचर्चा में विभाग प्रमुख प्रो. पियंबदा श्रीवास्तव ने सरदार वल्लभ भाई पटेल के व्यक्तित्व से संबंधित वित्तृत जानकारी से अवगत कराया गया साथ ही डॉ. बन्शो नुरुटी ने भी इन दो महान विभूतियों के महत्वपूर्ण कार्यों के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला गया साथ ही डॉ. उदय अड्डा एवं रेणु तिवारी ने भी सरदार पटेल की बचपन की संघर्षों के बारे में अपना विचार व्यक्त किया गया तथा इस कार्यक्रम छात्र छात्राओं ने भी अपना योगदान दिया गया।

// प्रतिवेदन //

दिनांक 10.11.2022

आज दिनांक 11.11.2022 दिन शुक्रवार को इतिहास अध्ययनशाला में विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता में आजादी के 75 वी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में अमृत महोत्सव के तत्त्वधान में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस, विभागीय इतिहास परिषद के पदाधिकारियों का शपथ समारोह एवं गोंधी जयंती एवं लाल बाहदुर शास्त्री जयंती के अवसर पर विभाग में भाषण गीत पोस्टर व कविता व प्रतियोगिता में विजित प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि प्रो. के. के. अग्रवाल उपाध्यक्ष छोगो इतिहास परिषद एवं से. नि. प्राध्यापक डॉ० खुबचंद बघेल शासकीय पी. जी महाविद्यालय, भिलाई 3 दुर्ग उपस्थित हुए तथा मुख्य वक्ता के शीर्षक "राष्ट्रीय शिक्षा और मौलाना अबुल कलाम आजाद था" अग्रवाल जी ने शिक्षा के विकास मौलाना अबुल कलाम आजाद की योगदान पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए उससे संबंधित अनछुए पहलुओं से रूब-रूब कराया गया।

विभागाध्यक्ष ने शिक्षा के मनोविज्ञान के पक्ष के बारे में बताये एवं डॉ० डी. एन. खुटे ने मौलाना अबुल कलाम आजाद का भारतीय राष्ट्रीय अन्दोलन में योगदान के बारे में विस्तार से प्रकाश डाले व डॉ० बन्शो नुरुटी आभार व्यक्त की इस कार्यक्रम में विभाग के समस्त शिक्षक डॉ० शिमा पाल डॉ० उदय अड़ाऊ विद्यार्थी, शोधार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

UTD NSS

PANDIT RAVISHANKAR SHUKLA

UNIVERSITY RAIPUR, (C.G.)

MONTHLY ACTIVITIES

SESSION 2022-2023

MONTH – MAY

01/05/2022 नियमित गतिविधि

गर्मी के दिनों में पक्षियों को दाना पानी व्यवस्था करने में कठिनाई जाती है , इसके लिए आज विश्वविद्यालय परिसर में मिट्टी के बर्तन की व्यवस्था की गई।



प्रतिदिन विश्वविद्यालय परिसर में स्वयंसेवकों के द्वारा नियमित योग अभ्यास



आज दिनांक 01 मई 2022 पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के 59 वाँ स्थापना दिवस के पावन अवसर पर, utd nss के दो स्वयंसेवक फलेंद्र जी और टकेश्वर जी को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए उच्च शिक्षा मंत्री श्री उमेश पटेल जी (छत्तीसगढ़ शासन) एवं कुलपति महोदय जी Pt.RSU के द्वारा सम्मानित होने का अवसर प्राप्त हुआ।



आज दिनांक 8 मई 2022 को नियमित गतिविधि के अंतर्गत यूटीडी एनएसएस के स्वयंसेवकों के द्वारा योगासन कराने के पश्चात सेंटर फॉर बेसिक साइंस के बगल में लगे हुए अशोक के पौधों में पानी डाला गया। विधि विभाग के विशेषज्ञ डॉ आलोक साहू सर जी ने प्रतियोगिता परीक्षा के बारे में स्वयंसेवकों से विस्तृत चर्चा किया एवं वरिष्ठ स्वयंसेवक संजय कुमार एवं अभिषेक वर्मा के द्वारा फर्स्ट एड कीट डोनेट किया गया। आज के कार्यक्रम में जिला संगठक रायपुर डॉ एल एस गजपाल, कार्यक्रम अधिकारी डॉ कमलेश शुक्ला एवं समस्त स्वयंसेवक उपस्थित रहे।



MONTH – JUNE

03/06/2022 विश्व सायकिल दिवस की हार्दिक **बधाई** एवं शुभकामनाएं।

अच्छी सेहत, स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त वातावरण के लिए बेहतरीन विकल्प साईकिल ही है।
सायकिल चलाएं, पर्यावरण बचाएं, शरीर को स्वस्थ बनाएं।



05/06/2022 विश्व पर्यावरण दिवस' की **बधाई** एवं शुभकामनाएं!
'विश्व पर्यावरण दिवस' के अवसर पर स्वयंसेवकों के द्वारा #नीम_का_पौधा रोपण किया गया, पूर्व में लगाए पौधों का #संरक्षण एवं #संवर्धन करते हुए पानी डाला गया, पक्षियों के लिए रखे #सकोरा में पानी डालने की पश्चात, #तख्ती (पोस्टर) तैयार कर नारा लगाते हुए #प्रकृति के अनुरूप #जीवनशैली अपनाने के लिए वीडियो के माध्यम से संदेश प्रेषित दिया गया।



12/06/2022 नियमित गतिविधि 🌱🌳🌲🌿

विश्वविद्यालय परिसर के अंतर्गत माता बंजारी मंदिर के पंडित जी के द्वारा माता में फूल अर्पण करने के लिए आस - पास से फूलों की व्यवस्था नहीं हो पाती हैं, का सूचना मिला था, आज इस विषय पर चर्चा पश्चात्, स्वयंसेवकों के द्वारा "एनएसएस फुलवारी" निर्माण के लिए जगह चिन्हित कर कार्य आरंभ किया गया।



14/06/2022 विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर स्वयंसेवक अभिषेक जी ने रक्तदान किया।



19/06/2023 नियमित_गतिविधि 🌱🌳🌲🌴

विश्वविद्यालय परिसर के अंतर्गत माता बंजारी मंदिर परिसर के पास तैयार किए जा रहे 'एनएसएस_फूलवारी' के लिए गोबर_खाद व्यवस्था कर, पौधा लगाने से पहले गड्डों में खाद डाल कर पौधा लगाया गया, तत्पश्चात #फूलवारी की #सुरक्षा के लिए आस - पास से सूखे बास की व्यवस्था कर घेराव किया गया।





21/06/2022 आप सभी को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।
योग हमारे शरीर को निरोगी बनाकर आध्यात्मिक चेतना को जागृत करने का साधक है,
योग भारत द्वारा विश्व को प्रदान किया गया वह अमूल्य उपहार है जो शरीर और मन
दोनों को स्वस्थ रखता है।



26/06/2022 अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर मादक पदार्थों के सेवन के खिलाफ लोगों को जागरूक करने तथा नशा मुक्त समाज बनाने का प्रण लेने के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया गया। नशे के सेवन से शारीरिक एवं मानसिक रूप से नकारात्मक प्रभाव पड़ता है का संदेश दिए। तत्पश्चात नियमित गतिविधि एनएसएस फूलवारी में पौधा रोपण किया गया।



MONTH- JULY

01/07/2022 मेकाहारा रायपुर में भर्ती मरीज को आज हमारे स्वयंसेवक रक्तवीरंगना दीपशिखा डोलस व रश्मिता भोई ने प्रथम बार एवं रक्तवीर वेदप्रकाश वर्मा (पूर्व छात्र) ने पांचवी बार अपने अमूल्य रक्त जरूरतमंद को देकर नेक कार्य किया है



03/07/2022 नियमित गतिविधि

विश्वविद्यालय परिसर के अंतर्गत माता बंजारी मंदिर परिसर में तैयार किया जा रहा 'एनएसएस फुलवारी' में कार्य का आज अन्तिम दिवस रहा, जिसमें स्वयंसेवकों के द्वारा फुलवारी के चारों तरफ जहा बास का घेराव किया गया था, उसमें पशु प्रवेश न कर सके उसके लिए बास की कटिली झाड़ियों को डाला गया, और व्यक्तियों के आने - जाने के लिए बास के दरवाज़ा निर्माण कर कार्य समाप्त किया गया।



10/07/2022 नियमित_गतिविधि

आज विश्वविद्यालय परिसर में पूर्व में लगाए पौधों का संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य किया गया।



26/07/2022 नियमित गतिविधि
आज विश्वविद्यालय परिसर में पूर्व में लगाए पौधों का संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य किया गया।



28/07/2022 [हरेली](#)



MONTH-AUGUST

06/08/2022 पंडित रविशंकर शुक्ल विश्विद्यालय अध्ययन शाला इकाई के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के कार्यक्रम की सुरुआत माननीय कुलपति महोदय प्रोफेसर केशरी लाल वर्मा के द्वारा झंडा दिखाकर प्रारंभ किया गया, कला भवन से तिरंगा यात्रा लाइब्रेरी साइंस, बेसिक साइंस होते हुए भूविज्ञान, विधि विभाग, गणित अध्ययन शाला, फार्मसी अध्ययन शाला से जैविकी अध्ययन शाला, व प्रशासनिक भवन होते हुए पंडित रविशंकर शुक्ल मूर्ति के सामने सभी एकत्रित होकर यात्रा पूर्ण किये। तिरंगा यात्रा अभियान में विश्विद्यालय के प्राध्यापकगण प्रोफेसर सुपर्ण सेन गुप्ता, प्रोफेसर निनाद बोधनकर, प्रोफेसर रवींद्र ब्रम्हे, प्रोफेसर बलवंत ठाकुर, प्रोफेसर प्रीति के सुरेश, डॉ दीपेंद्र सिंह, डॉ, रौतिया, डॉ चौरे, डॉ गोविंद साहू, डॉ संतुराम कश्यप, डॉ हरीश साहू डॉ राजेन्द्र जांगड़े और रसायन अध्ययन शाला के डॉ इन्द्रपाल शामिल होकर छात्रों का मनोबल व उत्साहवर्धन किया गया। माननीय कुलपति महोदय जी ने अपने उद्बोधन में झंडे का महत्व, देश प्रेम और युवाओं का देश के प्रति जिम्मेदारी से अवगत कराया। कार्यक्रम में उपस्थित राष्ट्रीय सेवा योजना के 100 से अधिक स्वयंसेवक, विभिन्न यू टी डी अध्ययन शाला के छात्र, शिक्षक रासेयो के जिला संघटक डॉ गजपाल और विश्विद्यालय इकाई के प्रभारी डॉ कमलेश शुक्ला आदि सम्मिलित रहे। 🙏

कुछ नशा तिरंगे की आन का हैं कुछ नशा
मातृभूमि की शान का हैं हम लहरायेंगे हर जगह
तिरंगा, नशा ये हिंदुस्तान की शान का हैं।



14/08/2022 राष्ट्रीय सेवा योजना पं. रविशंकर शुक्ल अध्ययन शाला इकाई ने आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर आजादी के अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा यात्रा में जागरूकता लाने के लिए जन जागरण अभियान का आयोजन कर पूरे परिसर में जागरण अभियान चलाया गया!! इस अवसर पर *माननीय कुलपति महोदय जी ने अभियान का शुभारंभ किया साथ ही रैली में शामिल होकर छात्रों का मनोबल बढ़ाया, कुलपति महोदय जी ने रैली का नेतृत्व करते हुए तिरंगा यात्रा,राष्ट्रीय नारों के साथ कर्मचारी कॉलोनी,शिक्षक कॉलोनी, छात्रावास होते हुए पंडित रविशंकर शुक्ल मूर्ति पर जाकर संपन्न हुई।यात्रा में, छात्रों में राष्ट्र के प्रति सम्मान और एकता की भावना की झलक देखने को मिली !!* तिरंगा यात्रा में डॉ सोनेकर,डॉ मनमोहन, डॉ राजेन्द्र ,डॉ इन्द्रपाल विश्विद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला संगठक/समन्वयक डॉ एल एस गजपाल विश्विद्यालय अध्ययन शाला इकाई के कार्यक्रम प्रभारी डॉ कमलेश शुक्ल ,स्वयंसेवकों के साथ छात्रावास के लगभग 150 छात्र छात्राएं शामिल हुए ।



15/08/2022देशवासियों को [#स्वतंत्रतादिवस](#) की हार्दिक शुभकामनाएं!

जय हिंद!



22-24 August 2022

आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में नशे के दुष्प्रभाव एवं बचाव के उपाय के लिए जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम पंडित रविशंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित किया गया जिसमें एनएसएस की स्वयंसेवकों की भूमिका सराहनीय रही ।



MONTH-SEPTEMBER

10/09/2022 नियमित_गतिविधि



17/09/2022

[UTD_NSS](#) के द्वारा [#विश्वविद्यालय_परिसर](#) में [#रक्तदान_शिविर](#) का आयोजन, #95 लोगो ने रक्तदान कर कार्यक्रम को बनाया सफल। 🩸🩸

पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय अध्ययनशाला इकाई राष्ट्रीय सेवा योजना एवं तेरापंथ युवा परिषद के द्वारा पं.रविवि के कला भवन हॉल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, शिविर में 95 लोगो ने रक्तदान किया , जिसमें लगभग 62 लोगो ने प्रथम बार रक्तदान किया।

इस कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति प्रो. केशरी लाल वर्मा जी ने किया। विशिष्ट अतिथि कुलसचिव डॉ. शैलेंद्र पटेल जी ने किया। इस कार्यक्रम में श्री संजय शर्मा कमिश्नर ट्रैफिक पुलिस, श्री सतीश ठाकुर डीएसपी, एसो. प्रोफेसर गहरे, डॉ. सोनेकर, डॉ अंबर व्यास जी उपस्थित रहे।

उक्त कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला संगठक डॉ. एल एस गजपाल, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कमलेश शुक्ला के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से वरिष्ठ स्वयंसेवक छत्रपाल साहू, दीपक साहू, फलेंद्र, सुमित, टकेश्वर, संजय, विकास, अभिषेक एवं स्वंसेवक दीपशिखा, पल्लवी, लक्ष्मीकांत, तेज, योगेंद्र, दीक्षा, अंकिता, वंदना, वर्षा, अमर व अन्य स्वयंसेवकों की सहभागिता से सम्पन्न हुआ।





रासेयो विश्वविद्यालय अध्ययनशाला में रक्तदान शिविर

रायपुर (प्रखर)। राष्ट्रीय सेवा योजना विश्वविद्यालय अध्ययन शाला इकाई पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर द्वारा कला भवन के सेमीनार हॉल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 95 लोगों ने रक्तदान किया। 62 लोगों ने प्रथम बार रक्तदान किया। यह कार्यक्रम तेरापथ युवा परिषद एवं रेडक्रॉस के सहयोग से सम्पन्न संपन्न हुआ। शुभारंभ कुलपति प्रो. केशरी लाल वर्मा ने किया। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. शैलेंद्र पटेल, संजय शर्मा एडीजी ट्रेफिक पुलिस, सतीश ठाकुर डीएसपी ट्रेफिक रायपुर, प्रो.केशव कान्त साहू विभाग अध्यक्ष चायोटेक्नोलाजी, प्रो.राजीव चौधरी, डॉ गहरे, डॉ.सोनेकर, डॉ अंबर व्यास उपस्थित रहे। कुलपति ने सभी लोगों को रक्तदान करने के लिए आग्रह



किया एवं राष्ट्रीय सेवा योजना परिवार को भव्य आयोजन के लिए बधाई दी। राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला संगठक डॉ. एल एस गजपाल एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कमलेश शुक्ला के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में विशेष रूप से वरिष्ठ स्वयंसेवक छत्रपाल

साहू,टकेश्वर साहू, दीपक साहू, फलेंद्र, सुमित, संजय, विकास, अभियेक एवं स्वयंसेविका दीपशिखा, पल्लवी, लक्ष्मीकांत, तेज, योगेंद्र, दीक्षा, अंकिता, वंदना, वर्षा, अमर एवं 50 से भी अधिक स्वयंसेवकों की सहभागिता रही।

16/09/2022 नियमित गतिविधि



MONTH-OCTOBER

MONTH-NOVEMBER

16/11/2022 पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में यूटीडी एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा यूथ फेस्टिवल 2022 में की नाटक #अस्तित्व का मंचन |



17 /11/2022

पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में यूटीडी एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा यूथ फेस्टिवल 2022 में ग्रुप सॉन्ग की प्रस्तुति दिया गया



20 नवंबर 2022

पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों द्वारा नियमित गतिविधि के अंतर्गत योगा ,साफ-सफाई एवं देसी खेल रूमाल झपट्टा खेला गया ।





दिनांक 27 नवंबर 2022 को विश्वविद्यालय अध्ययन शाला इकाई पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में शारीरिक व्यायाम के पश्चात छोटे-छोटे पौधों का संरक्षण एवं संवर्धन करते हुए पानी डाला गया । तत्पश्चात सामुदायिक जागरूकता एवं जनसंपर्क के लिए नुक्कड़ नाटक की तैयारी की गई। साथ ही सभी सेवक स्वयंसेवकों के व्यक्तिगत रुचियों के बारे में जानकारी प्राप्त की गई ।





MONTH- DECEMBER

नियमित गतिविधि 01/12/2022 जागरूकता ही है समाधान विश्व एड्स दिवस पर संकल्प ले कि, जागरूकता की ज्योत जलाएंगे। स्वयं जागरूक रहेंगे और सबको जागरूक करेंगे।



04/12/2022 आज नियमित गतिविधि में विश्वविद्यालय अध्ययन शाला के शिक्षक कॉलोनी में उगे बड़े-बड़े घास व कांटे वाले पौधों को काटकर उस स्थान को साफ कर हर्बल गार्डन तैयार करने हेतु कार्य किया गया । इसके साथ अध्ययन शाला इकाई के कार्यक्रम अधिकारी रहे ,उसके बाद जिला संगठक रायपुर के रूप में कार्य कर रहे प्रो. एल. एस. गजपाल सर को पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के समन्वयक के रूप में नवीन दायित्व मिलने पर अध्ययन शाला इकाई द्वारा उनके सम्मान का कार्यक्रम रखा गया था; जिसमें विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. मनमोहन सतनामी, इंद्रपाल सर ,डॉक्टर कमलेश श्रीवास, डॉक्टर गोविंद यादव सर , नागेंद्र चंद्रवंशी सर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कमलेश शुक्ला सर और स्वयंसेवक उपस्थित थे।






18/12/2022 समाज को एकता, भाईचारे तथा समरसता का संदेश देने वाले संत शिरोमणि गुरु घासीदास बाबा की जयंती पर शत्-शत् नमन..🌸

आज विश्वविद्यालय परिसर में गुरु घासीदास बाबा की जयंती के अवसर पर उनके संकल्पों को याद करते हुए [#मद्य निषेध दिवस](#) के रूप में मनाया गया। जिसमें माननीय कुलपति महोदय जी के द्वारा स्वयंसेवकों को "ना नशा करेंगे, ना करने देंगे" का शपथ दिलाया गया।





Ravishankar
Ja University




Google

Raipur, Chhattisgarh, India
6HWW+R9F, Amanaka, Raipur, Chhattisgarh 492010, India
Lat 21.247081°
Long 81.595957°
18/12/22 11:15 AM



Ravishankar
University



Google

Raipur, Chhattisgarh, India
6HWW+MJW, Amanaka, Raipur, Chhattisgarh 492010, India
Lat 21.246729°
Long 81.596404°
18/12/22 10:47 AM

MONTH - JANUARY
2023

नियमित गतिविधि 01/01/2023 को विश्वविद्यालय अध्ययन शाला इकाई पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में छोटे-छोटे पौधों का संरक्षण एवं संवर्धन करते हुए पानी डाला गया ।



12/01/2023 सनातन संस्कृति व भारतीय अध्यात्म परंपरा को वैश्विक क्षितिज पर पुनर्स्थापित करने वाले महान संन्यासी, युवाओं के आदर्श, स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। सभी युवा साथियों को 'राष्ट्रीय युवा दिवस' की हार्दिक शुभकामनाएं!



सात दिवसीय विशेष शिविर

'युवा' उत्साह नए भारत का

स्थान:- अटारी, वि. खं. धरसीवा, जिला रायपुर (छ. ग.)

16/01/2023 प्रथम दिवस: सात दिवसीय विशेष शिविर |

शिविर के लिए प्रस्थान



26/01/2023

74 वी गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।





29/01/2023 [नियमित गतिविधि](#) विश्वविद्यालय अध्ययन शाला इकाई पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में छोटे-छोटे पौधों का संरक्षण एवं संवर्धन करते हुए पानी डाला गया ।



MONTH- FEBURARY

03/02/2023 छत्तीसगढ़ राज्य में [श्रेष्ठ स्वयंसेवक](#) का सम्मान प्राप्त करने पर पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय अध्ययनशाला इकाई के ऊर्जावान स्वयंसेवक फालेन्द्र साहू को ढ़ेरो बधाई एवं शुभकामनाएं....🌸🌸🌸🌸



05/02/2023 [नियमित गतिविधि](#) विश्वविद्यालय अध्ययन शाला इकाई पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में छोटे-छोटे पौधों का संरक्षण एवं संवर्धन करते हुए पानी डाला गया ।



11/02/2023 आज स्वयंसेवको को विश्वविद्यालय परिसर के बायोटेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट में साबुन,डिश वाशर,लिक्विड डिटर्जेंट, हैंड वाश,फ्लोर क्लीनर, हार्पिक,रूम फ्रेशनर आदि बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।





12/02/2023 [नियमित गतिविधि](#)



MONTH – MARCH

नियमित गतिविधि के अंतर्गत आज प्रातः साइंस कॉलेज के DDU Auditorium में **G-20 University connect** कार्यक्रम में का आयोजन हुआ जिसका उद्देश्य ***युवाओं को भारत के सांस्कृतिक राजदूत के रूप में चित्रित करना है।**

05/03/2023

UTD एनएसएस के स्वयं सेवकों ने होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का संचालन हमारे कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कमलेश शुक्ला सर ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम समन्वयक अधिकारी डॉ. एल. एस. गजपाल सर एवं शिक्षक कालोनी के समस्त शिक्षकगण उपस्थित थे।

समारोह में स्वयं सेवकों ने अपने शिक्षक जनों और स्वयं सेवकों ने आपस में एक दूसरे को मिठाई खिलाकर एवं गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। साथ ही लोगो से होली का पर्व आपसी भाईचारागी और सौहार्द पूर्ण वातावरण मे मनाने की अपील की। मौके पर फालेंद्र साहू , प्रतीक साहेब गुप्ता, संजय साहू , सुमित पटेल, अभिषेक वर्मा , दीपक साहू, दीपशिखा डोलसे, प्रिया प्रजापति, प्रवीण बंजारे, योगेंद्र, तेज सिंहा, मोहिनी अग्रवाल, उमा, करण, नविता, आयुष, वर्षा, लक्ष्मी सेन, प्रकाश यदु , सूरज, श्रीकांत, एवं विश्वविद्यालय अध्ययन शाला स्वयं सेवा योजना इकाई 1 एवं इकाई 2 के सभी स्वयं सेवक उपस्थित थे |



MONTH MAY

आज नियमित गतिविधि के दौरान टीचर्स कॉलोनी प्रांगण में स्वयंसेवकों द्वारा साफ- सफाई की गयी।



अत्यंत हर्ष का विषय है कि हमारे प्रदेश के मुखिया माननीय मुख्यमंत्री **श्री भूपेश बघेल जी** अपने व्यस्ततम कार्यक्रम में कुछ क्षणों के लिए हमारे *विश्विद्यालय में आज दोपहर 12 बजे*हमारे समक्ष उपस्थित हुए।

आज सुबह 11 बजे माननीय मुख्यमंत्री जी का कल भवन में स्वागत किया गया।





01/05/2023



पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा संचालित ई - रिक्शा को संचालित किया गया ।।

PUBLIC OUTREACH CENTRE

During the Session 1st July 2021 to 30th June 2023 following program have been organized

S. N.	Date	Name of Speaker	Address	Title of Program/ Activity
1.	20-12-2021	Prof. Rajesh Kumar Gautam	Proffesor & Head, Department of Anthropology, Dr. Harisingh Gaur University, Sagar (M.P.)	“Obesity Research: My Experience in USA”
2.	04-03-2022	Prof. Suresh Kumar Sharma	Professor, Department of Statistics, Punjab University, Chandigarh	“Statistical Methods Used in Social, Medical and Biological Sciences”
3.	02-07-2022	Prof. S. K. Pandey	Former Vice-Chancellor, Pt. R S. U. Raipur	International Year of basic sciences for Sustainable Development
		Prof. M. L. Naik	Former Director General, CGCOST	
		Dr. Sabya Sachi Ghosh	Assistant Professor, Department of Physics, IIT Bhilai.	
		Dr. Sesha P Vempati	Assistant Professor, Department of Physics, IIT Bhilai	
		Mr. B. K. Lal	Controller, Finance, PWD, Nawa Raipur	
4.	14-09-2022	Prof. Keshari Lal Verma	Former Vice-Chancellor, Pt. R S. U. Raipur	स्वतंत्रता संग्राम में हिंदी की भूमिका
5.	07-11-2022	Dr. S. B. Ota	Former Joint Director-General, Archeological Survey of India, New Delhi.	“Management of Rock Art Site: Experience with World Heritage site at Bhimbetka”
6.	10-11-2022 to 12-11-2022	Dr. P. N. Shukla	Director, Post Graduate Institute of Behavioral and Medical Sciences, Raipur.	Three days Lecture Series on Mental Health
		Dr. Promila Singh	Former Head, School of studies in Psychology. Pt. R. S. U. Raipur	
7.	30-11-2022	Dr. Amit Dubey	Scientist-D, CGCOST, Raipur	Intellectual Property Rights and Plagiarism.
		Dr. Suparna Sengupta	Librarian, Pt. R. S. U. Raipur	

8.	23-01-2023	Prof. Satyanshu Kumar Upadhyay	Proffesor, Department of Statistics, BHU, Varanasi	“Statistical Techniques in Data Sciences and Machine Learning”
		Prof. Suresh Kumar Sharma	Professor, Department of Statistics, Punjab University, Chandigarh	
9.	14-02-2023	Mr. Sharad Vivek Sagar	Founder and CEO, The Dexterity Global Group	युवा विकास एवं नेतृत्व
		Prof. Omprakash Verma	Former President, Swami Vivekanand Chair, Pt. R. S. U. Raipur	
10.	21-02-2023	Prof. S. K. Dhurandhar	Department of IT, Netaji Subhash University of Technology, Dwarka, New Delhi	“Cyber Security”

A Report On

Public Outreach Lecture

“ Statistical Methods Used in Social, Medical and Biological Sciences”,

March 4, 2022

Organised by

School of Studies in Statistics

Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur

The Department of Statistics Pt. Ravishanker Shukla University has organized a special talk on statistical methods used in “Social, Medical and Biological Sciences” under its Public Outreach Programme. The Vice-Chancellor, Prof. Kesari Lal Verma inaugurated the programme and also emphasized the importance of statistical methods in the areas of research. On this occasion Prof. Kallol Ghosh, Coordinator of Public outreach program and Prof. Viyas Dubey, Head, Department of statistics also shared their views.

The Keynote speaker, a renowned Biostatistician in India, Prof Suresh Kumar Sharma of Panjab University, Chandigarh discussed the importance of statistical methods in Social, Medical and Biological Sciences with many practical examples. He emphasized that with the increasing use of technology in social/medical/biological research and the sophisticated advances in computing, it has become essential for researchers to fully educate themselves on the role of statistics to ensure the accurate analysis of research findings. The programme was intended to enrich the level of researchers in research methodology and analysis of data using most powerful and widely used software package like R, Python, AMOS, and SPSS. Professor Sharma’s scintillating talk was trilling experience for students, researchers and faculty members. Around 70 participants attended this programme.

The Lecture was attended by many Faculty members of the University, Dr. Arvind Kr. Shukla and Dr. Monalisha, AIIMS, Raipur and 75 students .



ऑल इंडिया वेटलिफ्टिंग: सुभाष ने जीता
गोल्ड, रविचि को पहली बार दो मेडल



रायपुर। रविशंकर यूनिवर्सिटी के वेटलिफ्टिंग खिलाड़ी सुभाष लहरे ने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता लिया है। इसके पहले मंगलवार को विजय भंडेवरी ने रविचि को गोल्ड मेडल दिलाया था। रविचि ने इससे पहले किसी भी गेम में लगातार दो गोल्ड मेडल नहीं जीते हैं। 2018 में कोमेश ने एक गोल्ड रविचि के लिए जीता था। पोहलती में खेले जा रहे टूर्नामेंट में गुरुवार को सुभाष ने 67 किलो वजन वर्ग में खेलते हुए 116 किलो स्मैच और 151 किलो क्वाटर एंड जर्क मिलकर कुल 267 किलो वजन उठाया और टॉप को गोल्ड मेडल दिलाया।

सांख्यिकी के जरिए
कर सकते हैं बीमारी के
प्रभाव का विश्लेषण

सिटी रिपोर्टर | पीडित रविशंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी में सांख्यिकी का सामाजिक, चिकित्सा और जैविक विज्ञान में उपयोग विषय पर सेमिनार रखा गया। प्रोफेसर डॉ. सुरेश शर्मा ने कोरोना के अध्ययन में सांख्यिकी का महत्व समझाया। उन्होंने बताया, बीमारी का सामाज, धर्म, जाति और आयु पर पड़ने वाले प्रभाव का विश्लेषण सांख्यिकी से कर सकते हैं। इस मौके पर कुलपति प्रो. केएल वर्मा,

पेपर 16 अप्रैल से

रविचि की वार्षिक परीक्षा
ऑफलाइन होगी, इस बार
रीवैल भी करा सकेंगे छात्र

एजुकेशन रिपोर्टर | रायपुर

पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की वार्षिक परीक्षा इस बार ऑफलाइन मोड में होगी। छात्रों को सेंटर में आकर पेपर देना होगा। परीक्षा में नंबर कम आने पर छात्र पुनर्मूल्यांकन व पुनर्गणना के लिए आवेदन कर सकेंगे। पिछली बार ऑनलाइन मोड में परीक्षा हुई थी, इसलिए रीवैल की पात्रता नहीं थी। रविचि के अफसरों का कहना है कि कोरोना काल



से पहले की व्यवस्था इस बार भी रहेगी। रीवैल के आवेदन भी स्वीकार किए जाएंगे। कोरोना संक्रमण की वजह से पिछली बार ऑनलाइन मोड में परीक्षा हुई।

छात्रों ने घर से पेपर लिखकर जमा किए। इसलिए दोबारा मूल्यांकन की सुविधा नहीं दी गई। रिजल्ट से नाखुश होने के बाद भी छात्र पुनर्मूल्यांकन या पुनर्गणना के लिए आवेदन नहीं कर पाए। इसे लेकर छात्रों में नाराजगी भी थी। छात्रों का कहना है कि पिछली बार ऑनलाइन मोड में परीक्षा हुई। बड़ी संख्या में छात्र पास हुए। लेकिन नंबर औसत रूप से ही मिले। कई विषयों में अच्छा लिखने के बाद भी कम नंबर मिले। इससे प्रतियोगिता कम हो गयी। ऑनलाइन मोड में परीक्षा होने से रीवैल की पात्रता नहीं दी गई। इसका नुकसान भी हुआ। गौरतलब है कि रविचि की वार्षिक परीक्षा 16 अप्रैल से शुरू होने वाली है। इसके लिए शिड्यूल जारी कर दिए गए हैं। यूजी की परीक्षा 16 अप्रैल से और पीजी की परीक्षा 18 अप्रैल से शुरू होगी। रविचि की वार्षिक परीक्षा के नतीजों के बाद करीब 25 हजार छात्र हर साल पुनर्मूल्यांकन व पुनर्गणना के लिए आवेदन करते हैं।



One Day Workshop
on

International Year of Basic Sciences for Sustainable Development (IYBSSD2022)
02/07/2022

Organized by
Center for Basic Sciences,
Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.)

Chief Patron

Prof. K. L. Verma, Vice Chancellor

Patron

Prof. Kallol. K. Ghosh, Director (CBS)

Administrative Support

Dr. Shailendra Patel, Registrar

Convener: Dr. Laxmi Kant

Co-Conveners: Dr. Smita Sharma, Dr. Veenu Joshi, Dr. Govind Prasad Sahu, Dr. Bhanushri Gupta, Dr. Girija Shankar Gautam

About the workshop : The year 2022 has been declared as the **International Year of Basic Sciences for Sustainable Development (IYBSSD2022)** by United Nations General Assembly to



stress that the applications of basic sciences are vital for advances in medicine, industry, agriculture, water resources, energy planning, environment, communications and culture, and that basic sciences

rupture technologies respond to the needs of humankind by providing access to information and increasing societal well-being, and promoting peace through improved collaboration toward Sustainable Development Goals (SDGs).

Center for Basic Sciences has planned to organize series of workshops and activities throughout the year 2022 to celebrate IYBSSD. To begin with we organized **one day** workshop on **02 July 2022** at **Dr. A.P.J Abdul Kalam Seminar Hall, CBS.**



This workshop brought together local experts from the academics, science, finance and administration to discuss and share their thoughts with the students of Center for Basic Sciences on the following Sustainable Development Goals (SDGs) from the 17 Goals adapted by that UN General Assembly as a part of 2030 agenda.

- **QUALITY EDUCATION:** Ensure inclusive and equitable quality education and promote lifelong learning opportunities for all
- **LIFE ON LAND:** Protect, restore and promote sustainable use of terrestrial ecosystems, sustainably
- manage forests, combat desertification, and halt and reverse land degradation and halt biodiversity loss

- **DECENT WORK AND ECONOMIC GROWTH:** Promote sustained, inclusive and sustainable economic growth, full and productive employment and decent work for all
- **INDUSTRY, INNOVATION AND INFRASTRUCTURE:** Build resilient infrastructure, promote inclusive and sustainable industrialization and foster innovation

Workshop Inauguration:

The workshop was inaugurated by lighting the lamp by invited speakers, university dignitaries including director and faculties of CBS followed by Saraswati Vandana and Kulgeet. The speakers were given floral welcome before starting the next session of the workshop.



S. Lal
REGISTRAR
P.R.S.U. RAIPUR
Prof. M. L. Naik
Prof. S. K. Pandey

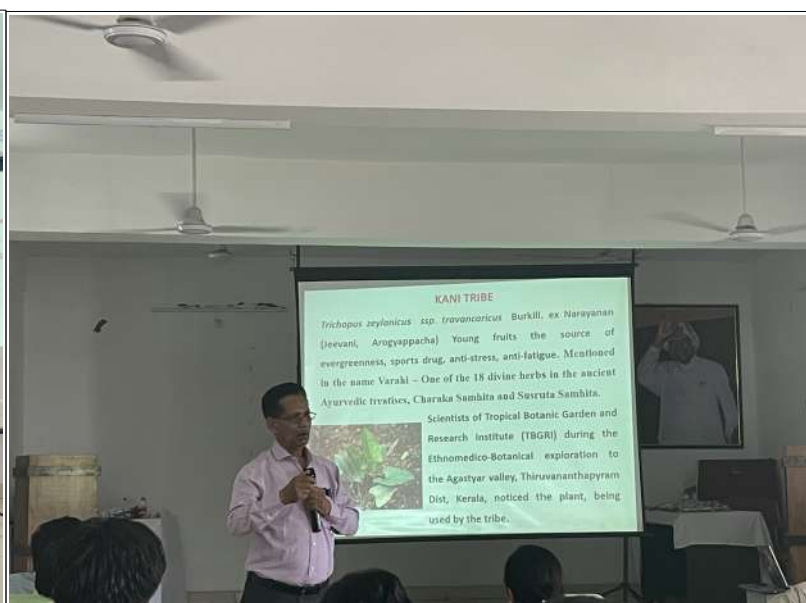
REGISTRAR
Prof. M. L. Naik
Prof. S. K. Pandey



Workshop Lectures:



The session started with **welcome address by prof. Kallol K. Ghosh** Director CBS. He shared the background and the context of the workshop with the audience. He proudly showed glimpses of the academic achievements of the CBS students and highlighted how CBS is contributing to sustainable development through its activities. He specially mentioned the public outreach activities done by CBS in various schools out side the university campus. And activities in the CBS in which students from various schools are invited to participate. Followed by this lecture, **Dr. Sailendra Patel, Registrar Pt. R.S.U.** addressed the audience by putting his thoughts on sustainable development goals and elaborated how basic science studies can play role to achieve these goals. **Prof. S. K. Pandey**, an eminent astrophysicist and ex-vice chancellor of Pt. R.S.U. delivered a lecture entitled “ **Importance of Basic Science for educating students**”. He addressed one of the SDGs “QUALITY EDUCATION” in detail and discussed how CBS can contribute to ensure inclusive and equitable quality education. He expressed his expectations towards CBS students that they will become excellent scientists and good science teachers.



Prof. M. L. Naik, eminent botanist, Ex. Director General, CG COST, Rt. Prof. and Head, SOS in life Sciences, Pt. RSU, Raipur delivered a lecture entitled “**Plants and sustainable development**” and discussed an important SDG , LIFE ON LAND. He emphasized the judicious use and management of natural resources for sustainability. He gave example that how Israel despite 300-400 mm of annual rainfall (which is five times less compared to 1750 mm of annual rainfall in India) with scientific management system do not face scarcity of water, whereas the unavailability of adequate amount of water for livelihood to large population in India is a severe problem.

Dr. Sabya Sachi Ghosh, IIT Bhilai, explained how nuclear energy can be one of the energy sources to met with the ever increasing demand of energy for humankind through his lecture “**Role of nuclear energy for sustainable development**” and **Dr. Sesha P Vemapati**, IIT Bhilai, discussed solar energy as a clean energy source for sustainability through his lecture “**Basics of photovoltaics for sustainable development of energy resources**”. Both the lectures addressed one of the SDGs INDUSTRY, INNOVATION AND INFRASTRUCTURE through their lectures.



Mr. B. K. Lal, Controller, Finance, PWD, Nava Raipur Atal Nagar delivered a lecture entitled “**Role of Science in SDG and planning**” and addressed the SDG, DECENT WORK AND ECONOMIC GROWTH. In his lecture he gave overview of the government’s five year plans and explained how these plans are in accordance with the sustainable development goals. He also pointed out that taking education to get government jobs by majority of youths will not lead to sustainable development. Rather the education should inculcate entrepreneurship in the students. He also told about the Chhattisgarh Government’s schemes to support the startup projects. The lecture was well received by the audience.

Mr. Vishwash Meshram, Joint Collector and Manager Land, Nava Raipur Atal Nagar Vikas Pradhikaran, who is also an Executive President of Chhattisgarh Vigyan Sabha discussed with example about importance of raising questions, through his interactive lecture “ **Promoting learning opportunity for all, through science popularization**”.

Student activities:



The Video documentary (made by CBS students) <https://www.youtube.com/watch?v=QBCauu00cdE> regarding laboratory facility in CBS was screened which was appreciated by the guest speakers. Himanshu Kunjam (8th sem), Yas Rajput and Bhashkar Yaduwanshi (2nd sem) sung “**Ped hain Saanse**” **Song**. CBS students Played a **drama “Save Environment”**, giving a message that if we use a inevitable modern means of development like industrialization, we must make enough effort to compensate for its negative effect on the environment. The drama was written by Pushendra Sahu (10th Sem) and directed by Ramesh Rautiya (10th sem). All the speakers were given memento as a token of thanks by CBS faculties. The workshop ended with the vote of thanks by workshop convener Dr. Laxmi Kant.

Report of One Day Seminar
On
“Intellectual Property Rights and Plagiarism”

A one day seminar on Intellectual Property Rights and Plagiarism was organized at the Center for Basic Sciences, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur on November 30, 2022. The event was organized under Public Outreach Program and Aazadi ka Amrit Mahotsav. There was enthusiastic participation in the seminar by the faculties and students of CBS and different colleges. Total 137 participants were registered for the event. The inaugural program of seminar began at 11:00 AM, on 30th November 2022, with the gracious presence of Prof. Keshari Lal Verma, Hon'ble Vice Chancellor, Pt. Ravishankar Shukla University Raipur as Chief Guest, Resource Persons, Dr. Amit Dubey Scientist-D, Chhattisgarh Council of Science and Technology, Raipur (C.G.) and Dr. Suparna Sengupta Librarian, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.), Prof. Kallol K Ghosh, Director, Center for Basic Sciences, Dr. Bhanushree Gupta, convener of the seminar and other faculties of CBS.

The function began with the lamp lighting ceremony and welcome of the guests. A welcome address was delivered by Dr. Bhanushree Gupta, she gave a brief introduction of the seminar and motivation behind it. Further, Prof. Ghosh, addressed the students and appreciated the efforts taken by convener and organizing team in organizing the seminar. He also mentioned Azadi ka Amrit Mahotsav under which many such lectures are conducted in all over the university. He thanked Prof. Keshari Lal Verma, Hon'ble Vice Chancellor, Pt. Ravishankar Shukla University Raipur for providing us with the opportunity and motivating us to be able to conduct such a program. After that Prof. Verma appreciated the achievements of students and motivated them to follow their dreams. He gave us knowledge about the importance of IPR and plagiarism in a student's life. He also encouraged students to do better in life and wish everyone all the best to work hard and bring better results. Afterwards both the resource persons addressed the students and gave introduction of their talk and also thanked organizing committee for inviting. A vote of thanks was proposed by Dr. Smita Sharma on behalf of organizing committee and Center for Basic Sciences and Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur.

After tea break the seminar was began with the lecture of Dr. Amit Dubey, Scientist-D, Chhattisgarh Council of Science and Technology, Raipur (C.G.). His title of

the lecture was "IPR & State Council's Role in IP Addressal". He explained what is Intellectual Property Rights and how one can use them to their benefit for identification, planning, commercialization, rendering, and hence the protection of invention or creativity. He shared many real-life examples which were from Chhattisgarh itself and various interesting case studies that made everyone completely invested in his lecture. He wished students all the best to use the knowledge he shared very carefully and wisely. Students and faculty participants interacted with him after lecture and resolved their queries.

Next lecture was delivered Dr. Suparna Sengupta on Knowing, Detecting & Avoiding Plagiarism: How & Why. He made participants familiar with what is plagiarism and how can we deal with it. He told that taking inspiration and giving proper credit to the original authors is a must to avoid plagiarism of any kind. He also explained the consequences and seriousness of this matter by giving several examples. He not only explained the problem but also gave us a step-by-step solution to avoid any such mistakes while doing any kind of work. At last, he motivated students to do well in their future aspects of life. Both faculties and students asked many of their queries and got satisfactory answers.

Participants from several institutions were registered like (Disha college of Law, Rungta college of Pharmaceutical Research, Chhattisgarh Yoganandam College, Science College, Raipur etc.). On whole the seminar was very informative, interactive and successful.

INTELLECTUAL PROPERTY RIGHTS AND PLAGIARISM (30-11-2022)



Public Outreach Lecture “Data Science and Machine Learning”

Organised by


**School of Studies in Statistics,
Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur**

A Report

A lecture entitled “Data Science and Machine Learning” was organised on 23 January, 2023 at 02:00 pm in SoS in Statistics, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur under Public Outreach Program of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.). The program was inaugurated by Prof. K. K. Ghosh, Co-ordinator, Public Outreach Centre, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.). Prof. Vyas Dubey, Head, SoS in Statistics welcomed the guests. Prof. S. K. Upadhyay, Ex.-Head, Department of Statistics, Banaras Hindu University, Varanasi and Prof. S. K. Sharma, Department of Statistics, Punjab University, Chandigarh were speakers.

Prof. Upadhyay discussed about the role of Statistics in data Science and Machine Learning through Bayesian Statistics approach. Bayesian Statistics is used where prior knowledge regarding population is available. He told Statistics is the key of Data Science and Machine Learning. Presently, in whole world, data scientists are being employed by at most attractive salary packages. He also explained the use of different softwares like, SPSS, R and PYTHON etc. in the field of Data Science. Prof. Sharma presented the use of Bio-Statistics in data science. He discussed that statistics is used in artificial intelligence. For example- In Germany, now days so many well equipped cars are running without drivers and all the informations are available to cars through Artificial Intelligence.

On this occasion Prof. B. S. Thakur, Head, SoS in Mathematics, Prof. Sanjay Kumar, Head, SoS in Computer Science, Prof. Rajeev Choudhary, SoS in Physical Education, Prof. Meeta Jha, Ex.- Head, SoS in Psychology, Prof. B. L. Sonekar, SoS in Economics, Dr. Govind Sahu, Assistant Professor, Centre for Basic Science and about 60 M. Sc. Students and research Scholars were present. The program was concluded with vote of thanks by Dr. Pradip Kumar Chourasia, Guest faculty in the Department.


10/4/2023
Dr. Vyas Dubey
Prof. & Head



Statistical Techniques in Data Sciences and Machine Learning (23-01-2023)

स्वामी विवेकानन्द चेयर द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत
14 फरवरी 2023 को आयोजित स्वामी विवेकानन्द व्याख्यान का प्रतिवेदन

स्वामी विवेकानन्द चेयर स्वामी विवेकानन्द स्मृति तुलनात्मक धर्म, दर्शन एवं योग अध्ययन शाला एवं पब्लिक आउटरीच सेन्टर, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) के संयुक्त तत्त्वावधान में युवा-उत्सव 2023 के अंतर्गत "युवा विकास एवं नेतृत्व" पर स्वामी विवेकानन्द व्याख्यान का आयोजन दिनांक 14 फरवरी 2023, दिन मंगलवार को किया गया। इसके प्रमुख वक्ता भारतीय युवा आइकॉन, विश्व प्रसिद्ध सामाजिक उद्यमी, विख्यात विचारक एवं प्रखर वक्ता श्री शरद विवेक सागर श्रे, वर्तमान में वे राष्ट्रीय संगठन ग्लोबल डेक्स्टेरिटी के सी.ई.ओ. हैं, जिसकी स्थापना उन्होंने 16 वर्ष की आयु में की तथा वे संयुक्त राष्ट्र के मंचों पर भारत के एम्बेसेडर तथा अनेकानेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं जीती हैं। उनके संगठन के प्रशिक्षित युवाओं ने दुनिया के शीर्ष विश्वविद्यालयों में 114 करोड़ रूपए से अधिक की छात्रवृत्तियां प्राप्त की हैं। इस कार्यक्रम के अन्य वक्ता प्रो. ओमप्रकाश वर्मा, संस्थापक सचिव, विवेकानन्द विद्यापीठ, कोटा एवं पूर्व अध्यक्ष, स्वामी विवेकानन्द चेयर, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. केशरी लाल वर्मा, कुलपति, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर ने की।

अपने स्वागतीय उद्बोधन में डॉ. मिताश्री मित्रा, अध्यक्ष, स्वामी विवेकानन्द चेयर प्रोफेसर ने बताया कि पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय भारत के उन चुनिंदा पांच विश्वविद्यालयों में है जहां 'स्वामी विवेकानन्द चेयर' की स्थापना 03 दिसंबर 2016 में की गई। जिसका प्रमुख उद्देश्य स्वामी विवेकानन्द की तीन विचारधाराओं—विवेकानन्द दर्शन, युवा विकास एवं नेतृत्व तथा राष्ट्रीय चरित्र निर्माण पर शोध, अध्ययन एवं युवाओं में जागरूकता लाना है। इसी तत्त्वावधान में युवा विकास एवं नेतृत्व विषय पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रो. ओमप्रकाश वर्मा ने अपने वक्तव्य में स्वामी विवेकानन्द के पद चिन्हों पर युवाओं को चलने का आग्रह किया एवं उनके विकास में आत्मविश्वास को अत्यंत आवश्यक बताया। उन्होंने युवाओं में नेतृत्व क्षमता के लिए सेवाभाव की महत्ता पर भी उन्होंने प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित श्री शरद विवेक सागर ने कहा कि युवा नेतृत्व एवं विकास के लिए युवाओं को अपने निजी लक्ष्यों को राष्ट्रीय लक्ष्यों के साथ जोड़ना चाहिए तथा अपनी क्षमता को राष्ट्र की सेवा में लगाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने युवाओं को वैश्विक उदाहरण के स्थान पर स्थानीय उदाहरणों को प्रेरणास्रोत के रूप में सामने रखने की बात कही ताकि वे इसे सहजता से जुड़ सकें तथा अपना आदर्श मान सकें।

तत्पश्चात विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्र-छात्रों के प्रश्नों एवं जिज्ञासाओं का उन्होंने समाधान किया।

कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष, श्री जे.एल.गहरे, दर्शन एवं योग अ.शा. ने किया एवं श्री शरद विवेक सागर जी का विशेष धन्यवाद करते हुए उन्हें युवाओं को प्रोत्साहित करने पर अपनी आभार व्यक्त किया।



डॉ. मिताश्री मित्रा

स्वामी विवेकानन्द चेयर प्रोफेसर

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर

Swami Vivekanand Chair
Pt. Ravishankar Shukla University
Raipur - 492010 (C.G.)

कार्यक्रम के फोटोग्राफ



दीप प्रज्ज्वलन



मुख्य अतिथि का स्वागत



प्रमुख वक्ता का उद्बोधन



मंचासीन अतिथिगण



प्रमुख वक्ता का उद्बोधन



मुख्य वक्ता का उद्बोधन

SCHOOL OF STUDIES IN PSYCHOLOGY

(3 days lecture series on mental health from 10 th to 12 th November 2022
under public outreach programme)

School of studies in psychology Pt. Ravishankar Shukla University organized 3 days lecture series on mental health under public outreach programme from 10 November to 12 November. Chief Guest of this programme was Dr. Keshari Lal Verma Honorable Vice Chancellor, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur resource person for this lecture series were Dr. P. N. Shukla, consultant psychiatrist, Director Post Graduate Institute of Behavioral And Medical Sciences, Raipur and Dr. Promila Singh Former Head, School Of Studies In Psychology Pt. Ravishankar Shukla University Raipur. Inauguration ceremony is done by vice chancellor Dr. Keshari Lal Verma, Dr P. N. Shukla Sir, Dr. Promila Singh Mam and Head of the Department Dr. P. Shukla Mam. In his addressing speech respected vice chancellor sir talked about works done by psychology department and how study of psychology is important in current scenario especially after covid-19 pandemic to tackle its after effect. Dr. Promila Mam presented her thoughts about mental health and pointed out on lack of working professionals in this area.

On first day of lecture series Dr. P. N. Shukla was invited as a resource person in his lecture he represented ancient thoughts about mental health and how we could improve our mental health by using the concepts given in our ancient Hindu literatures like Ramayana, Mahabharata and Bhagvad Gita. How we can use knowledge of Bhagvad Gita to resolve our conflicts and maintain our mental and physical stability. He emphasized on the characteristics of mentally healthy person.

मानसिक स्वास्थ्य को कैसे बनाये रखना है एक्सपर्ट डॉ. शुक्ला ने बताया

0 मनोविज्ञान अध्ययनशाला में तीन दिवसीय व्याख्यान माला

रायपुर। मनोविज्ञान अध्ययनशाला प. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में ३ दिवसीय व्याख्यान माला का आयोजन किया गया है। जिसकी शुरुआत गुरुवार को हुई और १२ नवंबर तक यह आयोजित है।

विविध परिसर के विभाग में ही आज उद्घाटन सत्र के प्रथम दिवस में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केसरीलाल वर्मा, शहर के सुप्रसिद्ध मनोरोगचिकित्सक एवं परामर्शदाता डॉ. प्रकाश नारायण शुक्ला, विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमिला सिंह एवं विभागाध्यक्ष प्रभावती शुक्ला शामिल हुईं। कुलपति वर्मा ने



विभाग के कार्यों और विषय की उपयोगिता का महत्व कोविड-१९ के बाद कितना अधिक आवश्यक है के बारे में बताया। उन्होंने कहा की मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का काम मनोविज्ञान विभाग के विद्यार्थियों द्वारा भविष्य के विशेषज्ञ के रूप में किया जा सकता है। प्रो. प्रमिला ने भी अपने विचार रखते हुए मेंटल हेल्थ प्रोफेशनल्स की कमी पर ध्यान आकर्षित किया। वही कार्यक्रम के

आज के मुख्य वक्ता डॉ. पीएन शुक्ला ने रामायण, गीता, महाभारत जैसे महाकाव्यों एवं पुराणों के आधार पर मानसिक स्वास्थ्य को कैसे बनाये रखा जा सकता है एवं विपरीत परिस्थितियों में कैसे स्थिर रखा जा सकता है के बारे में विस्तार से बताया। मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति के क्या विशेषताएँ होती हैं पर उन्होंने विशेष बल दिया। कार्यक्रम में एम.ए. प्रथम तृतीय सेमेस्टर पीजीडीआरपी, पीजीसी के

विद्यार्थी के शासकीय दुर्गा महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी इंस्टीट्यूट आफ बिहेवियोरल एंड मेडिकल साइंस रायपुर के अन्य प्राध्यापक प्रो. प्रियंवदा श्रीवास्तव, प्रो. मीता झा, डॉ. रोली तिवारी, डॉ. जीता बेहरा, श्री टेकेन्द्र साहू, ममता साहू आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थी अनुराग तिवारी एवं धन्यवाद ज्ञापन दीप्ति दुबे द्वारा किया गया।

राजाज
गपुर

त
ना
मिति

मनोविज्ञान अध्ययनशाला में व्याख्यान माला की शुरुआत

रायपुर। प. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान अध्ययनशाला में गुरुवार को तीन दिवसीय व्याख्यानमाला की शुरुआत की गई। उद्घाटन सत्र के पहले दिन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केसरीलाल वर्मा शहर के सुप्रसिद्ध मनोरोगचिकित्सक एवं परामर्शदाता डा. प्रकाश नारायण शुक्ला, पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमिला सिंह, विभागाध्यक्ष प्रभावती शुक्ला शामिल हुए। कुलपति ने विभाग के कार्यों और विषय की उपयोगिता का महत्व कोविड 19 के बाद कितना अधिक आवश्यक है, के बारे में बताया।

प्रो. प्रमिला ने भी अपने विचार रखते हुए मेंटल हेल्थ प्रोफेशनल्स की कमी पर ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डा. पीएन शुक्ला ने रामायण, गीता, महाभारत जैसे महाकाव्यों एवं पुराणों के आधार पर मानसिक स्वास्थ्य को कैसे बनाये रखा जा सकता है। इसके बारे में बताया। कार्यक्रम में प्रियंवदा श्रीवास्तव, प्रो. मीता झा, डा. रोली तिवारी, डा. जीता बेहरा, टेकेन्द्र साहू, ममता साहू आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थी अनुराग तिवारी व धन्यवाद ज्ञापन दीप्ति दुबे ने किया।

On the second day of lecture series Dr. Promila Singh former head, School Of Studies In Psychology Pt. Ravishankar Shukla university delivered her lecture she said that human has unlimited potential if a person is capable to identify, explore and to use his maximum potential he can improve his mental health if person is not able to do that and limit himself he will lose good opportunities that leads to mental burdens. She also said that our brain works as hardware and our mind thoughts and cognitive power works as software we can clean it if it gets corrupted. In her 2 hour interactive session Dr. Singh discussed about mental health, determinants of mental health, and causes of mental illness and how we can improve our mental health, with the students of SOS in psychology and faculty members. She said that at present students have unlimited resources like social media, internet etc but they do not know how to use it properly, misuse of that resources could also leads to mental illness they need proper guidance and constant assistant so that they can use resources in right direction and live a successful and healthy life. She guides students about their roles as students of psychology are very crucial and it is their responsibility to spread awareness about mental health and work for the welfare of society. After her technical session question answer session was held in which students asked about opportunities in the field of psychology, how they can work in the field of mental health, how they can improve their own mental health. In this session head of the department Dr. P. Shukla, Dr.Meetajha Dr. Roli Tiwari, Dr. Jeeta Behra, Mr.Tikeshwar Sahu and Mamta Sahu were present.

नी
थेया

ने कहा
हिनों की
जा रही
है। डॉ.
सम्मेलन
लान को
रूप से
ने कहा
न करता
रही है।
थंयलों में
पहुँचाने
के लिए
धैर्य में
के सुखद
आपका
क्या है।
नगरीय
नहीं तक
दर्भ में मैं
प्रत्येक
स्वीकार
जा रहा
विकास
बुनियादी
चह मेरा

दिमाग हार्डवेयर तथा मन सॉफ्टवेयर है जिसे आवश्यकता पड़ने पर क्लीन किया जा सकता है : प्रमिला सिंह

रायपुर। मनोविज्ञान अध्ययन शाला में आयोजित व्याख्यानमाला में शुक्रवार को वीज व्यक्ति में प्रोफेसर प्रमिला सिंह (पूर्वा विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान अध्ययन शाला पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय) ने कहा कि मानव में असीमित छमताएँ हैं जितना एक्सप्लोर करेंगे उतना मानसिक स्वास्थ्य अच्छा होगा जितना संकुचित होंगे उतने अवसरों से हाथ धो बैठेंगे। उन्होंने कहा कि दिमाग हार्डवेयर तथा मन सॉफ्टवेयर है जिसे आवश्यकता पड़ने पर क्लीन किया जा सकता है। 2 घंटे के इंटरएक्टिव सेशन में प्रोफेसर प्रमिला सिंह ने विद्यार्थियों से मानसिक स्वास्थ्य के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में युवा पीढ़ी बहुत भाग्यशाली है कि



उनके पास अवसरों का भंडार है पर परेशानी वहाँ है कि उन अवसरों को ग्रहण करने के लिए उचित दिशा निर्देश एवं रास्ते का सही चयन करना उन्हें नहीं आता, इसका कारण बहुत अवसरों के एक साथ होने से मानसिक स्वास्थ्य को नहीं रख पाना है। मानव में असीमित छमताएँ हैं जितना एक्सप्लोर करेंगे उतना

मानसिक स्वास्थ्य अच्छा होगा जितना संकुचित होंगे उतने अवसरों से हाथ धो बैठेंगे। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य और बीमारी में बहुत बड़ा अंतर है जो सामान्य लोग नहीं जानते लेकिन मनोविज्ञान के विद्यार्थी होने के नाते हमें यहाँ ज्ञान ना केवल अर्जित करना चाहिए बल्कि इसे जनसामान्य में फैलाना भी चाहिए। मनोविज्ञान



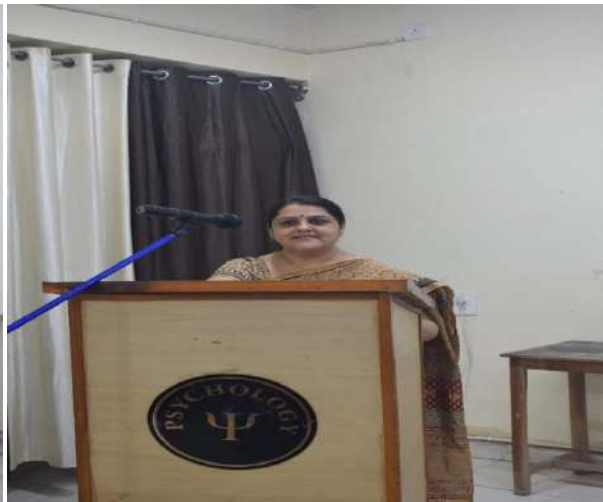
विषय का दायरा बहुत बड़ा है और इस विषय में असीम संभावनाएँ हैं क्योंकि मानव व्यवहार एवं उसमें संबंधी जटिलताएँ जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में देखने को मिलती हैं मनोविज्ञान विषय के विभिन्न मॉडलों के अनुसार पर भी व्यवहार और मानसिक स्वास्थ्य को कैसे अच्छा बनाया जाए कि बारे में उन्होंने बताया। यदि कोई

समस्या है भी तो व्यवहार परिमार्जन की विभिन्न तकनीकों के उपयोग के बारे में भी उन्होंने विस्तार से चर्चा की। दिमाग हार्डवेयर तथा मन सॉफ्टवेयर है जिसे आवश्यकता पड़ने पर क्लीन किया जा सकता है विचार प्रक्रिया को भी रिफ्रेश कैसे किया जा सकता है का बहुत अच्छा डेमो उन्होंने विद्यार्थियों को दिखाया। तकनीकी सत्र के बाद

प्रश्न उत्तर का मंत्र भी रखा गया जिसमें विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित विषय के लिए विकल्प क्या है के बारे में और कई प्रश्नों के उत्तर प्रोफेसर सिंह ने बहुत सरलता से दिए कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रोफेसर प्रभावती शुक्ला प्रोफेसर मोती झा डॉक्टर रोली तिवारी डॉक्टर सीता बेहरा टिकेश्वर साहू एवं ममता साहू आदि शामिल रहे।



In third day of this lecture series panel discussion was organized in which students and faculty members of psychology department share their thoughts and perspective about mental health, what has done till now in this field and what else needs to be done.



THREE DAYS WORKSHOP ON COUNSELLING & PSYCHOTHERAPIES

27/04/2023 to 29/04/2023

Under the public outreach program school of studies in psychology organized 3 days' workshop on psychotherapies from 27/04/2023 to 29/04/2023 spoke person for this program was Dr. Promila Singh ex HOD of school of studies in psychology, Pt. RavishankarShukla University, Raipur. This program was specially organized for MA final year students, PGDRP students and PGC students to develop their skills in their profession.

On the first day of workshop Dr. Promila Singh gave lecture on importance of mental health, how mental health and physical health is interconnected and for being mentally healthy maintaining good physical health is important. If person's life-style is not good that could lead to mental health issues. To stay mentally sounds having some kind of mental strategies are necessary. Activity based on brainstorming was also conducted on this day. Different topics related to mental health issues and possible strategies were given to students and they have to give a presentation based on their group discussion.





On the second day of workshop lecture on Students told about how to deal with anxiety, stress. Dr. Promila Sing gave lecture on cognitive behavioural therapy, rational emotive behavioural therapy(REBT) and behavioral therapy. How we can use principles of CBT to reduce cognitive errors of the client and help them to maintain their good psychological health.



On the last day of workshop Dr.Promila Singh addressed students and gave them knowledge about different method of treat client with depression. If people are feeling that they need professional help they should consult to any trained professional. In this session students solved case study and present their methods how they can help client in need through following different psychotherapeutic manner like cognitive-behavioural therapy, and behavioural techniques. In this three days' workshop 36 students took training. On this occasion Dr. P. Shukla, Dr.MeetaJha, Dr RoliTiwari, Dr JeethaBehra, Mr.TikeshwarSahu and research scholarMamtaSahuwere present.